दैनिक नवयत्न

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

खबरें सड़क से संसद तक

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

ताज़ा खबरें और ई-पेपर पाने के लिए अभी स्कैन करें!

वर्ष: 17 | अंक 38 | सीकर, रविवार 05 अप्रेल 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

कांग्रेस चाहती है खाड़ी देश भारत को दुश्मन समझें : मोदी

नाराज करने वाले बयान दे रही, इससे वहां भारतीयों पर मुसीबत आ सकती है

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरलम के थिरुवल्ला में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन समझें। हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें, कोई ऐसा बयान दे दें जिससे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को वहां से बाहर निकलने में मुसीबत आ जाए, इसलिए कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और कांग्रेस को मोदी को गालियां देने का मौका मिले। मैं कांग्रेस, छ्स्न, स्छ्स्न के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह पर है, चुनाव आते जाते रहेंगे लेकिन केरलम के लाखों भाई-बहन वहां हैं उनकी सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है।

मोदी ने कहा- इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार आएगी। मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा।

मोदी बोले- 16 से 18 अप्रैल तक संसद का सत्र

3 दिन के लिए 16-18 अप्रैल को बजट सत्र का सेशन होगा। जो कानून हमने पारित किया है। 2029 में लोकसभा के चुनाव से 33 फीसदी महिला आरक्षण का लाभ मिलना शुरू होगा। इसका फासदा हमारे दक्षिण भारत के राज्यों को मिले। हमने सभी विपक्षी दलों को मीटिंग में बुलाया है। मैं सभी राजनैतिक दलों से कहता हूं कि संसद में आए इस बिल को पारित करें। महिला आरक्षण से जुड़ा संशोधन बिल सर्वसम्मति पास होग। नारी शक्ति के हित से जुड़ा काम है। पीएम मोदी ने कहा- इस चुनाव में केरलम को कुछ फायदा होने की संभावना है। लेकिन मेरे लिए पर्सनली, बहुत बड़ा नुकसान होगा। आप सोच रहे होंगे कि जब मोदी को नुकसान हो रहा है तो केरलम को कैसे फायदा हो सकता है? मतल अनूप, जो यहां चुनाव लड़ रहे हैं, पिछले पांच सालों से मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरे देश में घूमकर जानकारी और जानकारी इकट्ठा की है। एक तरह से, वह मेरे पक्के साथी रहे हैं और काम के लिए मेरे दाहिने हाथ की तरह बन गए हैं। पीएम ने कहा कि कांग्रेस गल्फ कंट्रीज को गाली देने के का काम कर रही है, जिसे वे देश नाराज हो जाएं और वहां मौजूद भारतीयों को परेशानी है।

पीएम बोले- राज्य में डबल इंजन की सरकार से सभी रुकावटें दूर होंगीं

पीएम ने कहा कि यहां सबरीमाला रेलवे प्रोजेक्ट इस इलाके में नई संभावनाएं खोल सकता है। यह सबरीमाला से सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, लोकल बिजनेस को नई रफ्तार देगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगा। जब बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकार सत्ता में आएगी, तो ऐसी सभी रुकावटें दूर हो जाएंगी, यह मोदी की गारंटी है।

आज केरलम में युवाओं का पलायन सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार के लिए इंडस्ट्री लगाने की जरूरत है। यहां सर्विस सेक्टर बने, स्टार्टअप को जगह मिले, सही वेल्यू मिले। लेकिन यहां सबसे बड़ी दीवार करप्शन और कम्युनिलज्म है। जब ये दीवार टूटेगी तभी केरलम का विकास होगा। इसके लिए एलडीएल और यूडीएल को हराना होगा।

रेलवे परिसंपत्ति, प्रमुख सड़कों और चारागाह भूमि में वृक्षारोपण करें : सीएम शर्मा

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को 'हरियालो राजस्थान' बनाना राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसी दिशा में मिशन हरियालो राजस्थान के तहत आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना बनाकर इस कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग के पौधारोपण लक्ष्य, चंदन वन, नमो वन एवं नमो नर्सरी स्थापना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ पौधारोपण लक्ष्य की प्राप्ति में वन एवं पर्यावरण विभाग सहित अन्य विभागों की सहभागिता एवं सक्रियता बेहद जरूरी है। इसी क्रम में मुख्य सचिव पौधारोपण कार्य की मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से पौधारोपण के कार्य को प्रारंभ कर मानसून सीजन जुलाई, अगस्त व सितम्बर माह में गति प्रदान की जाएगी। इसी क्रम में सभी विभाग पौधारोपण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्थानों का चयन, फेन्सिंग, खड्डे सहित महत्वपूर्ण कार्य तय समय से पहले पूरे कर लें। वहीं, विशेष रूप से वन विभाग इस कार्य में सभी विभागों से समन्वय बनाए रखे।

शर्मा ने कहा कि पौधारोपण के लिए स्थान चयन में राजस्व विभाग का भी सहयोग लिया जाए। वहीं, भारतीय रेलवे के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी परिसंपत्तियों में पौधारोपण की कार्ययोजना भी बनाई जाए। इसी प्रकार, प्रत्येक जिले में सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख सड़कों के किनारे एवं चारागाह में वृक्षारोपण के लिए कार्ययोजना पर काम करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिट्टी की उत्पादकता का ध्यान रखकर पौधारोपण किया जाए। उन्होंने मिशन हरियालो राजस्थान में वन विभाग को बड़ी संख्या में गूलर के वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार सीएसआर के जरिए वनरक्षक कार्यालयों को पौधों में पानी देने के लिए टैंकर जैसे संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही, इस कार्य में वृक्षमित्रों का भी पूरा सहयोग लिया जाए।

23 साल बाद दुश्मन ने गिराया अमेरिकी फाइटर जेट

ट्रम्प का ईरानी आसमान पर कब्जे का दावा गलत; अब तक अमेरिका के 7 विमान तबाह

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान।

ईरान जंग के एक महीने बाद ट्रम्प ने 2 अप्रैल को अमेरिकी जनता को संबोधित किया। 19 मिनट के भाषण में उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की हवाई सेना को तबाह कर दिया है और उनके पास जवाब देने की क्षमता नहीं बची है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका का ईरान के आसमान पर कब्जा हो चुका है। उनके विमान तेहरान के ऊपर उड़ रहे हैं और ईरान कुछ नहीं कर पा रहा है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ऐसे ही दावे किए। लेकिन हालात अब अलग कहानी बता रहे हैं। पिछले 24 घंटों में अमेरिका के दो सैन्य विमान और सर्च ऑपरेशन में लगे दो ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर ईरान के हमले का शिकार हुए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 23 साल में पहली बार अमेरिकी लड़ाकू विमान दुश्मन की गोलीबारी में गिराए गए। इससे पहले 2003 में इराक युद्ध के दौरान ऐसा हुआ था। ईरान जंग में अब तक 7 अमेरिकी विमान तबाह हुए हैं।

राजस्थान में 6 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे

झालावाड़ में गाड़ियों के शीशे टूटे; कोटा में आंधी से शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ा

जयपुर।

राजस्थान में शनिवार को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से दोपहर बाद मौसम बदला। इस दौरान कोटा, टोंक, बूंदी, झालावाड़, दौसा और श्रीगंगानगर में बारिश के साथ ओले गिरे। झालावाड़ में ओलों के कारण गाड़ियों के शीशे टूट गए।

कोटा जिले के डिपरी में चंबल नदी पर बनने वाले पुल के शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति हो गई। अचानक बदले मौसम से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन फसलों को नुकसान हुआ है।

इससे पहले शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर में ओले भी गिरे। जयपुर शहर में शुक्रवार देर शाम आए अंधड़ के कारण अलग-अलग हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। मौसम के इस बदलाव से दिन के तापमान में गिरावट हुई है। बारिश के कारण मंडी और खेतों में फसलों को नुकसान हुआ है।

अंधड़ के कारण हादसों में 2 की मौत- राजधानी जयपुर में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर रात करीब 11 बजे तक जारी रहा। बरसात के साथ आए अंधड़ के कारण शहर के कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। जयपुर के जवाहर नगर इलाके में बाइक सवार एक व्यक्ति पर बिजली का पोल गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मुकेश नगर के रहने वाले रामजीलाल महावर (50) के तौर पर हुई है। रामजीलाल बिजली पोल से जुड़े ही काम करते थे। वहीं, दूसरा हादसा शहर के जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र में हुआ। यहां तेज हवा के कारण ग्रेनाइट का पत्थर का एक बुजुर्ग पर गया। हादस में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

झालावाड़ में ओले गिरे, गाड़ियों के शीशे टूटे- झालावाड़ जिले के मनोहर थाना में शाम 7 बजे बारिश के साथ ओले गिरे। ओले गिरने से गाड़ियों के शीशे टूट गए। क्षेत्र के चांदपुर, गरबोलिया, कामखेड़ा, जावर, डांगीपुरा, और टोटीमीरा गांव में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है।

दौसा के लालसोट इलाके मे 15 मिनट तक गिरे ओले-दौसा जिले के लालसोट में शनिवार को शाम 4:30 बजे ओलावृष्टि हुई। कई ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से 15 मिनट तक ओले गिरते रहे, जिससे फसलों को काफी नुकसान हुआ।

दौसा के नांगल राजावतान में ओले गिरे-दौसा के नांगल राजावतान क्षेत्र में शनिवार शाम को मौसम बदला और बारिश हुई। इस दौरान ओले भी गिरे।

दौसा में बारिश-दौसा के मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में 20 मिनट तक तेज बरसात हुई, इस दौरान भीगने से बचने के लिए श्रद्धालु इधर-उधर छिपते हुए देखे गए।

कोटा में शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ा- कोटा जिले के डिपरी में चम्बल नदी पर बनने वाले पुल के शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति हो गई।

युवक की मौत, भीड़ ने बस को आग लगाई

जोधपुर में तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मारी, पुलिस फोर्स ने हालात नियंत्रित किए

जोधपुर।

जोधपुर में तेज रफ्तार लोक परिवहन बस ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर हालात बिगड़ गए। गुस्साए लोगों ने नारेबाजी की और बस को आग लगा दी, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाया। अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात कर भीड़ को शांत किया। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। हादसा केरू क्षेत्र के लोरडी बस स्टैंड पर हुआ।

तेज रफ्तार बस को कंट्रोल नहीं कर पाया ड्राइवर

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी रवींद्रपाल सिंह ने बताया- लोक परिवहन बस शनिवार को शाम करीब 4 बजे जोधपुर से जैसलमेर जा रही थी। बस की टक्कर से बाइक सवार राजूराम (35) पुत्र पुनाराम भील निवासी लोरडी देजगरा की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार तेज थी। बस स्टैंड क्षेत्र में ड्राइवर बस को कंट्रोल नहीं कर पाया और बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और सड़क पर गिरने से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

गहलोत पर तिवाड़ी का तंज

सोशल मीडिया पर कर रहे हताशा का इजहार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों और इंतजार शास्त्र टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत में शास्त्रों की परंपरा पवित्र है और इंतजार जैसे शब्द को इससे जोड़ना उचित नहीं है। तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत यदि चाहें तो अपनी हताशा का इजहार कर सकते हैं, लेकिन शास्त्र जैसे शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिए। तिवाड़ी ने आरोप लगाया कि गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में कई मुद्दों पर स्थिति खराब रही। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक, युवाओं में बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों की समस्याएं और भ्रष्टाचार जैसे मामलों में जनता को इंतजार करना पड़ा। साथ ही उन्होंने ईआरसीपी और

यमुना जल समझौते जैसी परियोजनाओं को लंबित रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने जेजेएम घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में मंत्री और अधिकारी तक जेल पहुंचे। वहीं आईपीडी टॉवर प्रोजेक्ट में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी लागत 400 करोड़ से बढ़कर 700 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जबकि पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं रखी गईं। चिकित्सा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए तिवाड़ी ने कहा कि भजनलाल सरकार ने दो वर्षों में 6 नई पीएचसीए 84 सीएचसीए 61 उप जिला अस्पताल, 14 जिला अस्पताल और 18 सेटेलाइट अस्पताल खोले, जबकि गहलोत सरकार के कार्यकाल में यह संख्या काफी कम रही। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में 50 हजार से अधिक भर्तियां की हैं और 14 हजार से अधिक प्रक्रियाधीन हैं, जबकि गहलोत सरकार ने पांच साल में 29 हजार भर्तियां ही की थीं। तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत सरकार ने 4148 घोषणाएं की थीं, जिनमें से 2208 पूरी नहीं हो पाई और 626 पर एक रुपए तक खर्च नहीं हुआ। इसके विपरीत वर्तमान सरकार की 2719 बजट घोषणाओं में से 90 प्रतिशत पर स्वीकृति जारी हो चुकी है, 34 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और 56 प्रतिशत प्रगतिरत है। उन्होंने सिविल लाइंस आरओबी और जोधपुर की विभिन्न परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व सरकार ने घोषणाएं तो कीं लेकिन बजट और क्रियान्वयन में कमी रही। वहीं वर्तमान सरकार ने लंबित कार्यों को गति दी है और देरी के लिए एजेंसियों पर कार्रवाई भी की है।

अंत में तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत सोशल मीडिया पर गलत तथ्यों के साथ बयानबाजी कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार प्रदेश के विकास के लिए रोडमैप के साथ तेजी से कार्य कर रही है और पारदर्शिता के साथ योजनाओं को लागू किया जा रहा है।

ट्रम्प का ईरान को अल्टीमेटम- 48 घंटे में होर्मुज खोलो

बोले- अब समय खत्म हो रहा, नहीं माने तो तबाह कर देंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ईरान नहीं माना तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि समय खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले उन्होंने ईरान को 10 दिन की मोहलत दी थी, लेकिन अब सिर्फ 48 घंटे बचे हैं। ट्रम्प अब तक होर्मुज खोलने के लिए ईरान को तीन बार अल्टीमेटम दे चुके हैं। उन्होंने कहा है कि ईरान अगर ऐसा नहीं करता है तो उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

ईरान बोला- बुशहर न्यूक्लियर साइट पर 4 बार हमला हुआ

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल ने बुशहर न्यूक्लियर साइट पर चार बार हमला किया है। उन्होंने कहा कि इन हमलों से न केवल ईरान बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए कहा कि न्यूक्लियर साइट के पास हमले बेहद जोखिम भरे हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के जापोरिज्जिया न्यूक्लियर प्लांट को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो चिंता दिखाई जाती है, वैसी संवेदनशीलता बुशेहर के मामले में नहीं दिख रही है। अराघची ने यह भी कहा कि पेट्रोकेमिकल ठिकानों पर हमले इस बात का संकेत हैं कि रणनीतिक ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे हमलों से पूरे खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता फैल सकती है।

कोबरी-सार

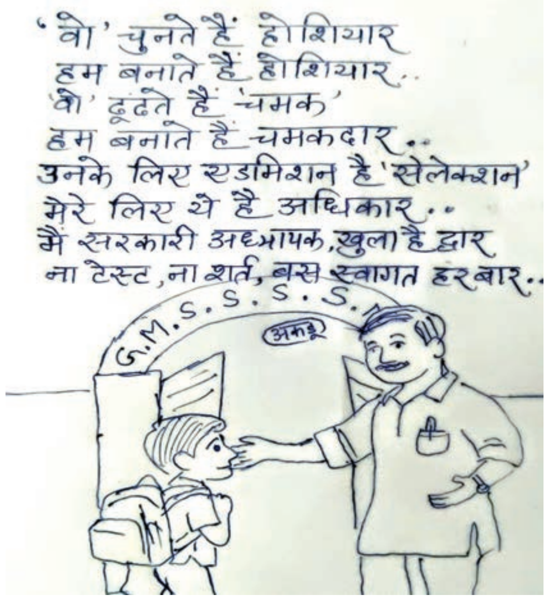

मूर्ति अनावरण समारोह को सफल बनाने के लिए गांवों में जनसम्पर्क

निसं

तारानगर (नवयत्न)। गौरव सेनानी संघ तारानगर ने 21अप्रैल सुबह 10:15 बजे खेल स्टेडियम चूरू में होने वाले पदम भूषण वीर सेनानायक परम विशिष्ट सेवा मेडल लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह के मूर्ति अनावरण समारोह को सफल बनाने के लिए गांवों में जनसम्पर्क किया। गौरव सेनानी संघ तारानगर के अध्यक्ष कैप्टन कल्याण सिंह राठौड़ के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने सात्यूँ, राजपुरा, चाहरों के वास, झाड़सर धुंआ, लाम्बा की ढाणी, ढिंगी, ढाणी मोतीसिंह, नरसिंहनगर, हड़ियाल, ब्रह्मनगर, मोरथल, दूधवाखारा स्टेशन, जवानीपुरा, बालिया सहित अन्य गांवों का दौरा कर सैनिकों को समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आने का न्यौता दिया। इस अवसर पर कैप्टन भंवर सिंह पंवार, सूबेदार दयानंद सहारण, नायब सूबेदार ओमप्रकाश दर्जी, हवलदार रामादत्त ज्यानी सहित अन्य पूर्व सैनिक दौरे पर रहे।

एमएसपी पर गेहूं खरीद शुरू 2 हजार 735 प्रति क्विंटल मिलेगा भाव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारतीय खाद्य निगम एफसीआई की ओर से पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार से समर्थन मूल्य एमएसपी पर गेहूं खरीद शुरू कर दी गई है। सांडेराव, तख्तगढ़ और सुमेरपुर में स्थापित खरीद केंद्रों का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। मंत्री कुमावत ने बताया कि इस वर्ष किसानों को गेहूं पर 2 हजार 735 प्रति क्विंटल का भुगतान मिलेगा, जिसमें केंद्र सरकार का एमएसपी 2 हजार 585 और राज्य सरकार का 150 प्रति क्विंटल बोनस शामिल है। उन्होंने बताया कि सांडेराव में पहली बार एफसीआई द्वारा खरीद केंद्र स्थापित किया गया है, जबकि तख्तगढ़ में लगातार दूसरे वर्ष खरीद की जा रही है। रामबा फार्म सांडेराव और तख्तगढ़ की सिंचाई कॉलोनी स्थित केंद्रों सहित तीनों केंद्रों पर 5-5 हजार बारदान उपलब्ध कराए गए हैं। इन केंद्रों पर 30 जून 2026 तक गेहूं की खरीद की जाएगी। किसानों के लिए राज किसान पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित है। मंत्री कुमावत ने खरीद केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सांडेराव केंद्र को आगामी वर्षों में नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। साथ ही राज्य सरकार की किसान एवं पशुपालक हितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी।

13 अप्रैल को मनाई जाएगी वरुथिनी एकादशी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। वैशाख मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली वरुथिनी एकादशी 13 अप्रैल को विशेष धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व के साथ मनाई जाएगी। इस दिन दुर्लभ राज पंचक का संयोग बन रहा है, जो इसे आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ भौतिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत फलदायी बना रहा है। सामान्यत: पंचक को वर्जित माना जाता है, किंतु सोमवार से आरंभ होने वाला राज पंचक शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना गया है। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा के अनुसार इस विशेष योग में किए गए कार्यों में सफलता की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। वरुथिनी एकादशी तिथि 13 अप्रैल को रात्रि 1:17 बजे प्रारंभ होकर 14 अप्रैल को रात्रि 1:08 बजे समाप्त होगी। ऐसे में व्रत 13 अप्रैल को रखा जाएगा, जबकि पारण 14 अप्रैल को द्वादशी तिथि पर किया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन भगवान विष्णु की आराधना के लिए समर्पित होता है। श्रद्धालुओं को इस दिन पीले वस्त्र अर्पित कर, चंदन या हल्दी का तिलक लगाकर विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। पूजन में पीले पुष्प, केला, चने की दाल, गुड़, पंजीरी तथा तुलसी दल अर्पित करना शुभ माना गया है। बिना तुलसी के पूजन अधूरा माना जाता है। अंत में विष्णु चालीसा और आरती के साथ पूजा संपन्न की जाती है। ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है कि यह दिन लंबे समय से लंबित सरकारी कार्य को गति देने, भूमि-भवन अथवा अन्य अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय, नए व्यापारिक अनुबंधों तथा बड़े निवेश के लिए विशेष रूप से अनुकूल है। ज्योतिषाचार्य पं. सुरेन्द्र गौड़ ने बताया कि धार्मिक ग्रंथों में एकादशी को केवल व्रत का दिन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक बताया गया है। श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत एवं पूजा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है तथा मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

डॉ. निधि का एम्स में शानदार चयन

निसं

पिलानी (नवयत्न)। कस्बा निवासी प्रतिभाशाली बेटी डॉ. निधि ने चिकित्सा क्षेत्र में सफलता हासिल करते हुए डीएम नियोनेटोलॉजी के तीन वर्षीय सुपर स्पेशलिटी कोर्स में चयन प्राप्त किया है। डॉ. निधि ने जनवरी 2026 सत्र के लिए आयोजित एम्स आईएनआई-एसएस परीक्षा में ऑल इंडिया 17वीं रैंक प्राप्त की है। इसके अलावा डॉ. निधि ने नीट एसएस 2025 में भी नियोनेटोलॉजी विषय में 24वीं रैंक हासिल कर देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश हेतु अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। डॉ. निधि की सफलता पर पिता रामसिंह एवं माता इंदिरा ने मिठाई बांट कर खुशी मनाई।

एचसीएल ने एमआईसी उत्पादन में सात साल का तोड़ा रिकॉर्ड

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। देश की एकमात्र तांबा खनन कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड एचसीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने उत्पादन, बिक्री और परियोजनाओं के विस्तार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हासिल की है। केसीसी कार्यपालक निदेशक जीडी गुप्ता ने बताया कि एचसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक संजीव कुमार सिंह, निदेशक प्रचालन एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक खदान डॉ. संजीव कुमार सिन्हा एवं निदेशक वित्त आरओएन विश्वेश्वर के अथक प्रयासों के चलते एचसीएल ने एमआईसी उत्पादन में पिछले सात वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ते हुए नौ प्रतिशत अधिक उत्पादन किया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में एचसीएल ने 27421 टन मेटल इन कंसंट्रेट एमआईसी का उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है और पिछले सात वर्षों का सर्वाधिक है। वहीं अयस्क उत्पादन 3.67 मिलियन टन रहा, जिसमें 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कॉपर एमआईसी की बिक्री भी 27367 टन रही, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्तिय वर्ष के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। जिनमें कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार, लाइसेंस टू ऑपरेट सॉफ्टवेयर का लागू करना, साथी योजना के तहत नर्सिंग व शिक्षा सहायता की शुरुआत शामिल है। इसके अलावा 1400 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य अनुबंध दिए गए और केंडाडीह, कोलिहान व सुरदा खदानों में दोबारा संचालन शुरू किया गया। चांदमारी समेत कई लंबित मंजूरियों में भी प्रगति हुई है। नई तकनीक और ग्रीन प्रोजेक्ट्स पर फोकस, मलांजखंड कॉपर प्रोजेक्ट में पेस्ट फिल प्लांट का उपयोग देश में अपनी तरह का अनूठा कदम है, जिससे सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल खनन संभव हो रहा है। वहीं बैटरी संचालित मशीनों के उपयोग से प्रदूषण कम करने की दिशा में भी पहल की गई है। उन्होंने बताया कि कंपनी भारत और विदेश चिली में ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर भी तेजी से काम कर रही है। एचसीएल ने कर्मचारियों और संविदा श्रमिकों के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ कॉर्पोरेट वेतन पैकेज लागू करने का समझौता किया है, जिससे उन्हें बेहतर वित्तीय सुविधाएं मिलेंगी।

2030 तक 12.2 एमटीपीए का लक्ष्य

एचसीएल 2030 तक 12.2 एमटीपीए का लक्ष्य हासिल करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। एचसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक संजीव कुमार सिंह ने बताया कि कंपनी 2030 तक 12.2 मटीपीए खनन क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी भविष्य में परिचालन क्षमता बढ़ाने और नवरत्न दर्जा हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

दो अभियुक्तों को पांच वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदंड की सजा

तारानगर (नवयत्न)। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश तारानगर संतोष कुमार मीणा ने अपहरण व डकैती के मामले में दो अभियुक्तों को पांच वर्ष के कठोर कारावास व अर्थदंड से दंडित किया है। अपर लोक अभियोजक एडवोकेट पंकज कुमार स्वामी ने बताया कि अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मीणा ने तारानगर ने पुलिस थाना तारानगर में दर्ज अपहरण व डकैती के प्रकरण एफआईआर नंबर 278/17 में फैसला सुनाते हुए अभियुक्तगण गौरीशंकर पुत्र छोटूराम निवासी भोगराना, पुलिस थाना नोहर हनुमानगढ़ व गगनदीप उर्फ गोल्डी पुत्र ओमप्रकाश माल निवासी भोगराना हाल वार्ड नं. 19 नोहर, हनुमानगढ़ को धारा 147, 365/149 395/149, 323/34 भा.दं.स. में दोषमिद्ध मानते हुए पांच वर्ष के रूठोर कारावास व 5 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया है। अर्थदण्ड राशि जमा नहीं करवाने पर अभियुक्तगणों को 3 माह का साधारण कारावास अतिरिक्त भुगतना होगा।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के सक्रिय सदस्य सहित 2 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। पुलिस थाने में हत्या के प्रयास में दर्ज मामले में फरार चल रहे गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य रामसीसर भेडवालिया निवासी 25 वर्षीय सुभाष सारण उर्फ भाला पुत्र हरिराम जाट व रतनगढ़ के भावनदेसर निवासी 19 वर्षीय दिनेश पुत्र कुंभाराम जाट को थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व में एएसआई हिम्मतसिंह ने गुजरात से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि 24 जनवरी को रामसीसर भेडवालिया गांव में एक ज्वेलर्स की दुकान पर ज्वेलर्स व्यापारी राकेश सोनी के साथ सुभाष सारण उर्फ भाला और दिनेश जाट ने मारपीट की वारदात को अंजाम दिया था। और आरोपी उक्त घटना के बाद फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच एएसआई हिम्मत सिंह को सौंपी। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व में एएसआई हिम्मतसिंह ने लगातार आरोपियों का पीछा करते हुए तकनीकी साक्ष्य एवं मजबूत मुखबिर तंत्र के सहयोग से दोनों आरोपियों को गुजरात के उमरगांव से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी सुभाष सारण उर्फ भाला गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय सदस्य है, जिस पर नागौर जिले के कुचामन सिटी और हरियाणा में भी मुकदमा दर्ज है और उनमें फरार चल रहा है। सुभाष सारण उर्फ भाला पर चुरु पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी सुभाष सारण उर्फ भाला रोहित गेदार गैंग के लिए सक्रिय रूप से काम करते हुए विभिन्न वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सुभाष सारण की अन्य आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल होने की संभावना है जिससे लगातार गहनता से पूछताछ की जा रही है। और रोहित गोदारा गैंग के अन्य सदस्यों के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल शिवकुमार और विनोद कुमार चौधरी की भी भूमिका रही।

सूने मकानों में चोरी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस की खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करधनी, कालवाड और खोराबीसल थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। जिनके पास से सोने-चांदी जेवरात सहित नगदी बरामद की है। साथ ही चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले देव प्रताप सिंह उर्फ देव 21 निवासी करणी विहार व हाल खोराबीसल तथा रुद्राक्ष मिश्रा उर्फ गोविंद 22 निवासी सोडाला हाल खोराबीसल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से सोने.चांदी के जेवर, 2,74,607 रुपए नकद, चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी जयपुर में किराए पर रहकर वारदात को अंजाम देते थे। शक से बचने के लिए खुद को ऑनलाइन बिजनेस करने वाला बताते थे। दिन में कॉलोनियों में घूम कर सूने मकानों की रेकी करते और रात में ताला तोड़कर जेवर, नकदी व कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने करधनी क्षेत्र में

किराए का मकान लेकर उसे सेफ हाउस बना रखा था। चोरी का माल और नकदी मकान की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखते थे। जिससे किसी को भनक तक नहीं लगती थी। थानाधिकारी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार आरोपियों से 3 जोड़ी सोने की बालियां, 4 सोने की पातड़ियां, 1 सोने की अंगूठी, 7 चांदी की अंगूठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के सहित नकदी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों ने अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम की प्रतिस्पर्धा में निजी स्कूलों को टक्कर दे रहे सरकारी स्कूल

निसं

सूरजगढ़ (नवयत्न)। सरकारी स्कूल की बेटियों द्वारा बोर्ड परिक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने पर स्कूल प्रबंधन ने बेटियों का स्वागत कर कस्बे में विजयी जुलुस निकाला। कस्बे के श्री कृष्ण परिषद् राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय 10वीं की छात्रा कनक शर्मा ने 92.83 प्रतिशत व 12वीं कक्षा की बेटी अंकिता ने कृषि विज्ञान वर्ग में 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर निजी स्कूलों की प्रतिस्पर्धा को टक्कर देते हुए स्कूल व कस्बे का नाम रोशन किया है। आज के समय में सरकारी स्कूलों में किए जा रहे नवाचारों की बदौलत शैक्षिक स्तर में सुधार हुआ है जिससे सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम भी निजी स्कूलों की बराबरी करने लगा वहीं

सरकार की विभिन्न सरकारी योजनाओं को देखते हुए सरकारी स्कूलों के नामांकन में वृद्धि हुई है। इस दौरान शनिवार को स्कूल प्रबंधन ने शिक्षा विभाग में किए जा रहे नवाचारों व शिक्षा विभाग में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कस्बे के मुख्य मार्गों से विजयी जुलूस निकाला व अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूलों में कराने की अपील की।

आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ का आज को भट्टारक की नसिया में होगा मंगल प्रवेश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रसिद्ध दिगम्बर जैन आचार्य वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ का रविवार, 5 अप्रैल को भट्टारक की नसिया में भव्य मंगल प्रवेश होगा। महावीर स्कूल एवं भट्टारक की नसिया में मंगल आगमन एवं प्रवास के लिए महावीर जी क्षेत्र, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर, राजस्थान जैन सभा, राजस्थान जैन युवा महासभा सहित श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के पदाधिकारियों ने चौकड़ी मोदीखाना स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर पाटोदी में प्रवासरत आचार्य श्री ससंघ को श्रीफल भेट कर निवेदन किया। इस मौके आचार्य श्री ससंघ के भट्टारक जी की नसिया में भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश एवं प्रवास के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं मानद् मंत्री उमरावमल संघी ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ रविवार को प्रात: सवा 6 बजे चौकड़ी मोदीखाना स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर पाटोदी से मंगल विहार कर किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट होते हुए के टावर पहुचेगे, जहां पुष्प लता विवेक काला परिवार द्वारा भव्य अगवानी की जाएगी।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ आगे बढते हुए प्रात: 7 बजे सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल पहुचेंगे, जहां श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर की कार्यकारिणी द्वारा भव्य अगवानी की जाकर पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की जाएगी। आचार्य श्री द्वारा स्कूल भवन के अवलोकन पश्चात आशीर्वचन प्रदान किए जाएंगे। प्रात: 8 बजे बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के साथ आचार्य श्री ससंघ का हास्पिटल रोड होकर दीवान जी की नसिया के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए भट्टारक जी की नसिया में भव्य मंगल प्रवेश होगा। मंगल प्रवेश जुलूस में महिला मण्डल की सदस्याओं सहित युवा मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुपों के सदस्य एवं बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

सफल विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

सरदारशहर (नवयत्न)। स्थानीय राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, सवाई बडी में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12, 10, 8 एवं 5वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 28 छात्र-छात्राओं का तिलकार्चन कर मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

ये रहे प्रमुख परिणाम-कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा में अनिता राजपुरोहित 95.20 प्रतिशत, ललिता प्रजापत 92 प्रतिशत एवं दीपिका राजपुरोहित 89.80 प्रतिशत ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 10 में सरिता मेघवाल 91.17 प्रतिशत और लीला सुथार 77.83 प्रतिशत ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं तिलकार्चन के साथ हुआ। समारोह में प्रधानाचार्य लक्ष्मी पारीक, मदन सिंह, फूलचंद चौधरी, शर्मिला, निर्मल शर्मा, सुनित मीणा, सरोज सिद्ध, रीना पारीक, शशि शर्मा सहित अभिभावक नरेन्द्र सिंह, रेवन्त सिंह, मांगीलाल, दूलीचंद व रावतराम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार तिवाड़ी ने किया।

सीकर में 37 केंद्रों पर 5-6 अप्रैल को एसआई भर्ती परीक्षा

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा एसआई प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन 5 व 6 अप्रैल को प्रदेश के साथ सीकर जिले में भी 37 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक दिन दो पारियों में होगी। सीकर जिला प्रशासन की ओर से एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं परीक्षा समन्वयक रतन कुमार स्वामी ने सीकर एसके कॉलेज सहित अन्य परीक्षा केंद्रों पर तैयारियों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीएम एवं परीक्षा समन्वयक रतन कुमार ने बताया कि एसआई प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन सीकर जिले के 37 परीक्षा केंद्रों पर 5 अप्रैल व 6 अप्रेल को दो पारियों में होगा। उन्होंने बताया कि सीकर जिले में 24 परीक्षा केंद्र सरकारी संस्थाओं में और 13 निजी संस्थानों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों में सरकारी अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रथम पारी की परीक्षा प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी और दूसरी पारी की परीक्षा अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक होगी। सीकर जिले में कुल 24 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत है तथा प्रत्येक पारी में 12 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के दौरान निरीक्षण एवं जांच के लिए 7 उडन दस्ता दलों का गठन किया गया है। इसके साथ ही 16 उप समन्वयक भी लगाए गए हैं। इसके साथ ही निजी शिक्षण संस्थानों में दो ऑब्जर्वर लगाए गए हैं। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक केंद्र पर दो पुलिसकर्मी जिसमें एक महिला और एक पुरुष तैनात रहेंगे। अभ्यर्थी की संख्या अधिक होने पर पुलिसकर्मी भी अधिक लगाए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो-दो वीडियोग्राफर भी नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा की नकल की रोकथाम और अनुचित साधनों के प्रयोग की रोकथाम के लिए भी विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने के 1 घंटे पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंच जाए ताकि उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से 1 घंटे पहले तक ही संबंधित परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा, इसके बाद किसी भी परिस्थिति में अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करना होगा और वे किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का प्रयोग नहीं करें, क्योंकि परीक्षा के प्रति राज्य सरकार काफी गंभीर है और इस संबंध में जिला प्रशासन ने कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस की चाकचौबंद व्यवस्था की है और परीक्षा पर एसओजी भी विशेष नजर रख रही है। परीक्षा समन्वयक रतन कुमार के निरीक्षण के दौरान परीक्षा से जुडे संबंधित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा की बैठक आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा तारानगर की बैठक शनिवार को पूर्व जिलाध्यक्ष भागीरथ सहारण की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संघर्ष समिति संयोजक लिखमाराम नायक और जिला संगठन मंत्री अविनाश गोदारा ने बताया कि बैठक में वार्षिक अधिवेशन एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के निर्वाचन कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विनोद कस्वा और कार्यकारी मंत्री मदनलाल सहारण ने सदस्यता अभियान को शीघ्र पूरा करने पर बल दिया। बैठक में चन्द्रशेखर कस्वा, महेन्द्र आचार्य, राजेन्द्र धेतरवाल, जावेद खान, मंगल महला आदि अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

निशान यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मुरलीपुरा स्थित श्री शिव दुर्गा हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री शिव दुर्गा हनुमान मंदिर सेवा न्यास के तत्वावधान में तृतीय निशान यात्रा भक्तिभाव से निकाली गई। मंदिर महंत बालकृष्ण शर्मा के सान्निध्य में निकली पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या हुई। हनुमानजी महाराज का पंचामृत अभिषेक कर छप्पन भोग झांकी सजाई गई। ध्वजा पूजन कर महाआरती की गई। निशान यात्रा में ऊंट, घोड़े, बग्गी, हाथी, ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे, आतिशबाजी और डीजे के साथ राधे-गोविंद, सुदामा, राम दरबार एवं राम रथ की जीवंत झांकियां शामिल रहीं। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और व्यापारियों ने स्वागत किया गया। इस मौके पर गोपालशरण महाराज, मनु महाराज सहित कई संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त हुआ। यात्रा के समापन पर मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के बाद महाआरती की गई। न्यास के अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल, महासचिव हनुमान सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष पवन गोयल, कोषाध्यक्ष प्रिशा खंडेलवाल सहित अन्य पदाधिकारियों, महिला संगठन की सदस्याओं एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

निसं

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। उपखंड क्षेत्र में स्थित शास्त्री बाल निकेतन माध्यमिक विद्यालय, सिंगनोर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता गोरु राम कुलहरि ने कीए मुख्य अतिथि अधिवक्ता वीरेंद्र वर्मा और विशिष्ट अतिथि सुरेश जी कुमावत थे। निदेशक जय सिंह ने बताया कि विद्यालय की छात्रा शगुन कुमावत पुत्री जय सिंह कुमावत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 2026 की परीक्षा 97.83 प्रतिशत के साथ राज्य स्तरीय 13वीं मेरिट प्राप्त कीए गुड्डा और उदयपुरवाटी तहसील में हिंदी माध्यम में टॉपर छात्रा का सम्मान किया गया। इसके बाद विद्यालय के प्रतिभावन छात्रा दीपिका मील पुत्री रोहिताश 91 प्रतिशत, नवीन पुत्र रामनिवास 84 प्रतिशत, अंकिता पुत्री सुभाष चंद्र, कृष्णा पुत्र विजेंद्र कुमार, साहिल पुत्र विद्याधर और कक्षा आठ व कक्षा 5 में ए ग्रेड प्राप्त करने वाले सभी छात्रों का विद्यालय प्रांगण में सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच नंदलाल अग्रवाल, विकास नेहरा सुरेन्द्र धाबाई, तारा चंद गोदारा, गायत्री, कमलेश, पुष्पे न्द्र, शिवकरण, कैलाश, मुकेश सोनी, शारदा, विद्याधर, अनिता, मनोज कुमार, लोकेश, अमर चंद, महावीर गोदारा, बलराज, सविता, कंचन आदि उपस्थित थे।

पांच दिवसीय हनुमान महोत्सव सम्पन्न

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ की स्थानीय शक्ति पीठ श्री मेहन्दीपुर घाटा बालाजी- धाम में पांच दिवसीय हनुमान जन्म महोत्सव का आज शनिवार को सुन्दर काण्ड पाठ व संकटमोचन हवन में मन्त्रों चार के साथ सम्पन्न हुआ। मन्दिर पुजारी गौतम जोशी व बृजबिहारी जोशी ने बताया कि हनुमान महोत्सव पर गत 29 मार्च से सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ विद्वान पंडितों द्वारा प्रातः 8:15 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ विद्वान पंडितों द्वारा सायं 7:15 बजे से तक किया गया, जिसकी पूर्णाहुति आज शनिवार अप्रैल को पूर्ण वैदिक विधान से की जाएगी। बाबा का चोला का विशेष श्रृंगार 01 अप्रैल सायंकाल को हुआ। पुजारी कुंजबिहारी जोशी ने बताया कि चैत्र सुदी पूर्णिमा महोत्सव 02 अप्रेल को छप्पन भोग, सवामणी व भंडारा तथा सायं 108 द्विप के साथ पुजारी राहुल ने की। रात्रि में आयोजित भजन संध्या में भजन गायक कलाकार राजू मंगलहारा व योगी शर्मा, गोयल पारीक व त्रिचना पारीक सहित कई भजन गायककार अपने भजनों की प्रस्तुति से बालाजी को रिझाया। वहीं जन्म महोत्सव का समापन शक्ति प्रसन्नता हवन विद्वान पंडितजनो द्वारा मंत्रोच्चार के श्रृद्धालुओं ने किया।

फिजाओं में घुला मंथन का रंग डीजे नाइट में झूमे यूथ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रैंप पर स्टूडेंट्स ने अपनी खूबसूरत अदायगी के जरिए शानदार परफॉर्मेंस प्रस्तुत किया। मौका था पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में चल रहे इंटरकोलेजिएट फेस्ट मंथन 2026 के उन्नीसवे एडिशन के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रम का। जगतपुरा स्थित कैंपस में ग्रुप डांस और रैंप वॉक की जबरदस्त परफॉर्मेंस ने समा बांध दिया। एक लंबा ऊंचा कदण तेनु शरारत सिखावा सरीखे थीम बेस्ड ग्रुप डांस और रैंप शो की खूबसूरत बानगी ने शनिवार की शाम को अपने रंग में हर आम ओ खास को सराबोर कर दिया। हल्की मंद हवाओ के बीच परवान लेती स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंसेस ने कला के आधुनिक आयामों को साकार कर दिखाया। विभिन्न थीम पर अलहदा अंदाज मे स्टेज पर स्टूडेंट्स ने परफॉर्म किया तो वही थीम बेस्ड परफॉर्मेंस के जरिए स्टूडेंट्स ने वेस्टर्न समेत देश की विभिन्न संस्कृतियों से संबंधित नृत्यों को मंच पर एकीकृत कर दिखाया। इसके अतिरिक्त भांगड़ा, वीना समेत विभिन्न थीम बेस्ड डांसेस की परफॉर्मेंस पर ऑडियंस ने जमकर एंजॉय किया। इसके बाद जेन एंड, आई, वैदिक, सर्कस आदि थीम पर रैंप शो मे स्टूडेंट्स ने अपना टैलेंट शो किया। आयोजन में अतिथियों के रूप में जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, भारतीय जनता पार्टी के जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल, अपडेट इंडिया के सी ई ओ विशाल पाराशर, स्प्रो निग्धा शर्मा जज आकाश शर्मा, प्रेरणा कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे। पोद्दार ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन रूपल पोद्दार ने कार्यक्रम में पूरे देश से जुटे स्टूडेंट्स के परफॉर्मेंस की तारीफ की एवम आयोजन की बड़ी सफलता का श्रेय सभी परफॉर्मेंस को दिया। ग्रुप चेयरमैन डॉ. आनंद पोद्दार ने कार्यक्रम के समापन अवसर सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कंटस्टेंट के परफोर्मेंसेस की तारीफ की।

11 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी फूले जयंती

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सामाजिक समरसता और जागरूकता के संदेश के साथ महात्मा ज्योतिबा फूले की 199वीं जयंती 11 अप्रैल को सांगानेर क्षेत्र में धूमधाम से मनाई जाएगी। यह आयोजन महात्मा ज्योतिबा फूले टर्मिनल मार्केट में कार्यरत वर्ग और माली सैनी समाज सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। जयंती कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुहाना मंडी स्थित ओम तंवर सब्जी ब्लॉक में जयपुर फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडी में कार्यरत आढ़तियों, मजदूरों और अन्य वर्गों ने भाग लिया तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जयंती के अवसर पर महात्मा फूले को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही फल एवं आइसक्रीम वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस दौरान सुनील गोयलए इंदर सैनी, सत्यनारायण सैनी, गणेश बगरु, पुष्पेंद्र मावर, सुरेंद्र सैनी, जीतू और सतीश रावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।वहीं सांगानेर स्थित राष्ट्रपिता ज्योतिबा ले युवा जागृति मंडल के प्रधान कार्यालय में समाज बंधुओं की एक अन्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयोजक शंकरलाल सैनी और अध्यक्ष दयाराम सैनी के नेतृत्व में सर्वसम्मति से 11 अप्रैल को विशाल वाहन रैली निकालने का निर्णय लिया गया। रैली प्रातः 8 बजे सांगानेर से रवाना होकर महात्मा ज्योतिबा फुले टर्मिनल मार्केट पहुंचेगी, जहां फुले प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। बैठक में सह संयोजक पूरनचंद माली, प्रेमचंद कूजड़ा, हनुमान सैनी, लाडका गोपाल सैनी श्योपुर मंडल अध्यक्ष, अमित सैनी, महेंद्र सैनी, राकेश सैनी, दिनेश सैनी, राहुल सैनी, रमेश सैनी, कन्हैयालाल सैनी, मुकेश सैनी, रामवतार सैनी, सुरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश और राजेंद्र सैनी सहित कई समाज बंधु मौजूद रहे। गौरतलब है कि महात्मा ज्योतिबा फूले एक महान समाज सुधारक और शिक्षाविद थे, जिन्होंने शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में भाग लेकर उनके विचारों को आत्मसात करने की अपील की है।

बालिकाओं को साइकिलें वितरित

निसं

बुगाला (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाखल में छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कक्षा 9 की बालिकाओं को सरकार की योजना के तहत साइकिलें वितरित की गईं, जिससे उन्हें स्कूल आने-जाने में सुविधा मिल सके। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य व स्टाफ की उपस्थिति में छात्राओं को साइकिलें सौंपी गईं।

प्रधानाचार्य सुरेंद्र पारीक ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना और ड्रॉपआउट दर को कम करना है। साइकिल मिलने से दूर-दराज के गांवों से आने वाली छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। इस अवसर पर छात्राओं के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। उन्होंने सरकार व विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बालिकाओं को नियमित रूप से विद्यालय आने और पढ़ाई में मन लगाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बोर्ड टॉपर्स विद्यार्थियों का किया अभिनन्दन

निसं

तारानगर (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेठवा का कक्षा 10 एवं 12वीं का शानदार बोर्ड परीक्षा परिणाम रहने पर विद्यार्थियो का अभिनन्दन किया गया। विद्यालय की कक्षा 10 की टॉपर छात्रा प्रिया ज्याणी नेठवा एवं पायल कंवर दुलेरी द्वारा 94 प्रतिशत अंक लाने पर जनप्रतिनिधि मोहर सिंह जयाणी, लीलाधर प्रजापत सहित ग्रामिणो व समस्त विद्यालय स्टाफद्वारा साफा पहना कर सम्मानित किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं कला वर्ग में पूजा कंवर दुलेरी 95 प्रतिशत एव बनिता कंवर दुलेरी, दीपिका शर्मा, करण नेठवा, राजकुमारी, गायत्री खीचड़ आईना प्रजापत आदि टॉपर्स छात्र छात्राओं को सम्मानित कर डीजे के साथ ग्रामीणों एवं विद्यालय के स्टाफएवं विद्यार्थीं द्वारा झांझनी दुलेरी एवं नेठवा गाँव में उत्साह पूर्वक विजय जुलूस निकाला। संस्था प्रधान सुरेश कुमार शर्मा द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को चाँदी का सिक्का देने की घोषणा के साथ ही जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया तथा ग्रामिणों को राजकीय स्कूल में बच्चो को प्रवेश दिलाने हेतु प्रेरित किया।

कानून के साथ रिश्तों की रखवाली : इंस्पेक्टर गुंजन सोनी की अनोखी कहानी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भागदौड़, जिम्मेदारियों और दिनभर की सख्त ड्यूटी के बीच पुलिस की जिंदगी अक्सर भावनाओं से दूर मानी जाती है, लेकिन जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय के पास जो दृश्य सामने आया। उसने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। पुलिस की गाड़ी खड़ी थी 3 बोनट पर एक छोटा सा केक 3 आसपास खड़े वर्दीधारी जवान और कुछ आम लोग 3 चेहरे पर मुस्कान, माहौल में अपनापन। पहली नजर में यह एक सामान्य सा जन्मदिन लग सकता था, लेकिन इसकी कहानी असाधारण थी। यह जन्मदिन किसी बच्चे का नहीं, बल्कि ड्यूटी पर तैनात महिला इंस्पेक्टर गुंजन सोनी का था और केक लाने वाले कोई रिश्तेदार नहींए बल्कि एक ऐसा दंपती था, जिनकी जिंदगी कभी बिखरने की कगार पर थी।

कुछ समय पहले अलवर में अपनी पोस्टिंग के दौरान इंस्पेक्टर गुंजन सोनी ने इस दंपती के रिश्ते में आई दरार को अपने धैर्य, समझ और संवेदनशीलता से भर दिया था। गलतफहमियों के उस अंधेरे में उन्होंने उम्मीद की रोशनी जलाई, और एक टूटते घर को फिर से बसने का मौका दिया। शायद वही पल इस दंपती के जीवन का सबसे बड़ा मोड़ बन गया। तभी से हर साल, बिना भूले, वे गुंजन सोनी के जन्मदिन पर केक लेकर आते हैं। एक छोटे से उपहार में छिपा होता है उनका असीम आभार और स्नेह। इस बार भी, जब इंस्पेक्टर ड्यूटी पर थीं, वे वहीं पहुंचे 3 सड़क किनारे, पुलिस की गाड़ी के पास 3 और वहीं मनाया गया यह सादा लेकिन बेहद भावुक जन्मदिन। यह दृश्य सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं था, बल्कि यह याद दिलाने वाला पल था कि पुलिस की वर्दी के पीछे भी एक संवेदनशील दिल धड़कता है। जो केवल कानून नहीं, रिश्तों को भी संभालता है। सच में, जिंदगी में सबसे बड़ी कमाई वही होती है, जो लोगों के दिलों में जगह बनाकर मिलती है 3 और उस दिनए एक पुलिस अधिकारी ने वही असली कमाई जीती हुई दिखाई।

960 ग्राम डोडापोस्त के साथ युवक गिरफ्तार

रतनगढ़ (नवयत्न)।

मेगा हाइवे पर होटल के पास खड़े युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, जिस पर शंका होने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के पास 960 ग्राम डोडापोस्त चुरा मिला, जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सब इंस्पेक्टर रतनलाल मय जाप्ता गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मेगा हाइवे पर गांव मालासर व गोगासर के बीच एक होटल के पास 25 वर्षीय युवक हाथ में थैला लिए हुए खड़ा था, जिसने पुलिस को देखकर वहां से भागने का प्रयास किया। शंका हुई, तो पुलिस ने उसे रोककर नाम-पता पूछा, जिस पर उसने अपना नाम रमेश बताया। युवक संदिग्ध लगने पर जब पुनः उसका नाम पूछा, तो उसने अपना नाम कामत पुत्र अब्बास जाति मुस्लिम निवासी बहराइच उत्तरप्रदेश बताया, जिस पर पुलिस ने उसके पास मिले थैले की तलाशी लीए तो उसमें 960 ग्राम डोडापोस्त चुरा बरामद हुआ। पुलिस ने क्रामत को गिरफ्तार कर उसके पास से मिले डोडापोस्त को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

राजस्थानी भाषा फीस विवाद थमा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में राजस्थानी भाषा में मास्टर डिग्री की अधिक फीस को लेकर चल रहा छात्रों का विरोध शनिवार को समाप्त हो गया। पिछले 6 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ने पर सिविल लाइंस विधायक व सिंडिकेट सदस्य गोपाल शर्मा मौके पर पहुंचे और नारियल पानी पिलाकर हड़ताल समाप्त करवाई। छात्रों का आरोप है कि राजस्थानी भाषा में पढ़ाई के लिए सालाना 50-55 हजार रुपए फीस ली जा रही है, जबकि फ्रेंच, इटैलियन व स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं के कोर्स की फीस 10-14 हजार रुपए ही है। इस असमानता के विरोध में 30 मार्च से छात्र पूजा और लोकेंद्र कुलपति सचिवालय के बाहर धरने व भूख हड़ताल पर बैठे थे। तबीयत बिगड़ने पर दोनों छात्रों को सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया। विधायक गोपाल शर्मा ने मांगों को जायज बताते हुए सरकार व राज्यपाल तक मामला उठाने और प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। आंदोलन से जुड़े डॉ. सज्जन कुमार सैनी ने बताया कि 55 वर्षों से संचालित राजस्थान अध्ययन केंद्र को विभाग बनाने और फीस में कमी की मांग की जा रही है। एसएफएस कोर्स के चलते इस वर्ष राजस्थानी विषय में जीरो सेशन घोषित करना पड़ा है। छात्रों ने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द निर्णय लेकर फीस में राहत और राजस्थानी भाषा का स्वतंत्र विभाग स्थापित करेगी।

सादगी की मिसाल : बिना दहेज के परिणय सूत्र में बंधे मुकेश-अंकिता

निसं

तारानगर (नवयत्न)। आज के चकाचौंध भरे युग में मुकेश पुत्र गंगाराम धामु धीरवास ने दहेज प्रथा जैसी कुरीति को दरकिनार कर एक नई मिसाल पेश की है। उन्होंने अंकिता जांगिड़ पुत्री सुरेश तिगाला घणाऊ के साथ बिना किसी लेनदेन के दहेज मुक्त विवाह संपन्न किया। ?दूल्हे के परिवार ने स्पष्ट किया कि वे समाज को यह संदेश देना चाहते हैं कि बेटियाँ बोझ नहीं बल्कि वरदान हैं। इस विवाह की चर्चा पूरे जांगिड़ समाज ने सराहना की है और लोग इस कदम की सराहना कर रहे हैं। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा तारानगर के अध्यक्ष विनोद कुमार दम्मीवाल ने वर वधु को आशीर्वाद दिया व सभी ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में ऐसी शादियों को बढ़ावा देंगे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथि मास्टर मनीराम मोटियार, राजेन्द्र प्रसाद बरवाड़िया, राजेश कुमार चोयल, महेद्र कुमार रोसावा खरतवासिया, गंगाराम धामु, बसन्त कुमार करल, विरेन्द्र कुमार कासलीवाल, धर्मपाल धामु, भूराराम धामु, दौलतराम धामु, मनीराम धामु आदि उपास्थित रहे।

अमरापुर चैत्र मेला में भगवान एवं गुरुओं का हुआ अभिषेक और पूजन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। छोटी काशी गुलाबी नगरी में स्थित श्री अमरापुर स्थान में प्रेम प्रकाश मंडल के तत्वावधान में चल रहे 105वें चैत्र महाकुंभ मेले के चतुर्थ दिन शनिवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 6 बजे पूज्य स्वामी भगत प्रकाश महाराज एवं संत मंडल द्वारा भगवान लक्ष्मी नारायण, लड्डू गोपाल एवं गुरुदेव का पंचामृत से अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई गई।

इसी दिन श्रीमद्भागवत गीता एवं श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ साहिब के पाठों का संतों द्वारा भोग परायण किया गया। भक्ति के वातावरण में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर सेवा-भक्ति का लाभ लिया। मेले में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, आदर्श नगर से भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर एवं आरएसएस के प्रांतीय प्रचारक निंबाराम सहित अनेक गणमान्य जनों ने अमरापुर दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। पंच दिवसीय महोत्सव का समापन रविवार 5 अप्रैल को ब्रह्मवेला में सुबह 7 बजे विश्व शांति की कामना के लिए पल्लव प्रार्थना के साथ होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 4 बजे संत-महात्माओं द्वारा आचार्य श्री की महिमा के गुणगान से होगा तथा श्रद्धालुओं को तुलसी पौधों का वितरण भी किया जाएगा।

विकास नाथ महाराज का किया स्वागत

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राष्ट्रीय जाट महासभा की ओर से शुक्रवार को शेखावाटी के संत विकास नाथ महाराज के छापर आगमन पर स्वागत किया गया। कस्बे स्थित द ब्लैक बक्स रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र किलक ने महाराज को माला व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। संत विकास नाथ महाराज ने कहा कि समाज में एकता, संस्कार और सेवा भाव को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान महाराज ने विश्व प्रसिद्ध ताल छापर अभयारण्य का भी भ्रमण किया। अभयारण्य में प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों, काले हिरणों को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर ओमप्रकाश बगड़िया, गोपाल सोनी, राम प्रजापत, आरआई कन्हैयालाल, राम लखन तूनवाल, सुभाष शर्मा, प्रियदर्शी प्रजापत, देवेन्द्र, बंटी पुजारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सम्पादकीय

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है।

बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है।

लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। ऐसे मतदाताओं के अविश्वास को भी दूर करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया पर शुरू से ही नजर बनाये हुए है। चुनाव आयोग भी दावा कर रहा है कि किसी योग्य मतदाता के साथ अन्याय नहीं होगा। इसी मकसद से ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया पर निगरानी के मकसद से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की थी। लेकिन विडंबना है कि उन्हें ही आक्रोशित भीड़ ने बंधक बनाया।

विशेष आलेख

सभ्यतागत प्रगति की प्रतिगामी दिशा

ईरान युद्ध से दुनिया की परेशानी बढ़ गई है। इसे जल्द समाप्त करने के लिए पर्दे के पीछे भी तमाम प्रयास जारी हैं, पर उनसे किसी समाधान की उम्मीद कम ही है। संघर्ष का दायरा खाड़ी क्षेत्र तक फैल गया है। ईरान ने इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग की जिस तरह नाकाबंदी की हुई है, उससे कई अन्य देश भी इस संघर्ष में कूद सकते हैं।

कोई भी युद्ध अपने साथ तबाही लेकर ही आता है तो यह लड़ाई भी कोई अपवाद नहीं। इसमें अब तक हजारों जिंदगियां भेंट चढ़ गई हैं। बड़ी-बड़ी मानव बस्तियां मलबे के ढेर में तब्दील हो गई हैं। अमेरिका और इजरायल ने ईरान की परमाणु आकाक्षांओं के दमन और अपनी आत्मरक्षा को आधार बनाकर यह हमला किया। उन्होंने ईरानी जनता के मानवाधिकारों और स्वतंत्रता के लिए सत्ता परिवर्तन की आवश्यकता भी जताई, पर उनकी छेड़ी इस जंग को न के बराबर नैतिक एवं कानूनी समर्थन मिल सका। वास्तविक अर्थों में तो यह युद्ध ऊर्जा संसाधनों पर कब्जे और अपनी ताकत का वर्चस्व स्थापित करने की एक कवायद भर है। यह इस पहलू को भी पुष्ट करता है कि है 1945 के बाद की अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था वर्चस्ववादी प्रयोग के समक्ष युद्ध रोकने और शांति बनाए रखने में पूरी तरह असमर्थ है। ट्रंप का वेनेजुएला अभियान और उनके द्वारा छेड़ा गया टैरिफ युद्ध उस वैश्विक कानूनी ढांचे के पतन का ही प्रमाण है, जिसका नेतृत्व संयुक्त राष्ट्र चार्टर और जिनेवा सम्मेलनों एवं अन्य संधियों में संहिताबद्ध कानून करते हैं। ईरान पर हमले की न तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अनुमति ली गई और न ही अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस से अनुमोदन।

ईरानी नेताओं की हत्या और ईरान के भीतर नागरिक ठिकानों पर सैन्य हमलों का दायरा भी कई मौलिक सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। ईरान पर हमले के लिए इजरायल और अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन की जो दलील देते आए हैं, वह भी अंतरराष्ट्रीय कानून के उन बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ हैं, जो राष्ट्रों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की अक्षुण्णता पर आधारित हैं।

इस मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश हार्डी डिलार्ड ने 1975 में 'पश्चिमी सहारा' मामले में एक महत्वपूर्ण अवलोकन प्रस्तुत किया था, जिसका मर्म यह था कि जनता ही क्षेत्र की नियति तय करती है, न कि क्षेत्र जनता की नियति।' यह टिप्पणी ईरान के मामले में भी सटीक बैठती है। ईरान में सत्ताधीशों के अत्याचार की कतिपय पैमानों पर निंदा संभव है, पर इसके बावजूद किसी संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए 'सत्ता परिवर्तन' के संदिग्ध तर्क की वैधता को स्वीकारने का यही अर्थ होगा कि हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पूरा खाका ही पलट दें।

हाल में यूक्रेन, गाजा, वेनेजुएला और ईरान में चल रहे टकराव के अलावा अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध छेड़ने जैसी पहल ने हमें शक्ति की वास्तविकता एवं उसके स्वरूप संबंधी दर्शन पर मंथन की दिशा में उन्मुख किया है। इस क्रम में वैश्विक मंच पर विराजमान राजनीतिक नेतृत्व का मानवीय मुश्किलों के प्रति उदासीन रवैया यही संकेत करता है कि सभ्यतागत मोर्चे पर हुई प्रगति की दिशा प्रतिगामी हो चली है। एक ऐसे विश्व को जिसे शक्ति के उपयोग को लेकर स्वयं को और अधिक सभ्य बनाने की आकांक्षा रखनी चाहिए, वहां यह उलट दिशा में जाता दिख रहा है।

याद रहे बमबारी से कभी शांति संभव नहीं। इतिहास भी हमें यही सिखाता है कि युद्ध स्वयं समस्या है, समाधान नहीं और किसी भी प्रकार का अन्याय या दमन अपने भीतर ही क्रांति के सूत्र समाहित किए होता है। जब तक दुनिया युद्ध की अमानवीय प्रकृति और विनाशलीला से मुक्त नहीं हो जाती, तब तक मानवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना कपोल कल्पना ही रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शांति की दिशा में आगे बढ़ने और तनाव घटाने के लिए बार-बार किया गया आह्वान वस्तुतः सशस्त्र संघर्षों के प्रति स्पष्ट अस्वीकृति और विवादों के मध्यस्थतापूर्ण समाधान की तात्कालिकता का ही संकेत देता है। यह राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने और संघर्ष समाधान के माध्यम के रूप में युद्ध से परहेज करने की भारत की नीति के अनुरूप है। इस बारीक दृष्टिकोण का एक आवश्यक पहलू यह होगा कि सत्ता के साम्राज्यवादी प्रयोग के विरुद्ध प्रभावी सुरक्षा कवच के रूप में अपेक्षाकृत कड़ी अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था का पालन सुनिश्चित किया जाए।

यह उन लोगों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानूनों के निहितार्थों एवं प्रक्रियाओं के प्रति एक बाध्यकारी प्रतिबद्धता पर आधारित हो, जिनके पास वैश्विक न्याय को बनाए रखने की शक्ति है। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून की कसौटी एवं नैतिकता के मानदंडों पर पूरी तरह खरी उतरे। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर भारत की भूमिका अपनी प्राचीन दार्शनिक विचारधारा 'वसुधैव कुटुंबकम्' और नेहरूवादी अंतरराष्ट्रीयवाद में निहित अपनी विदेश नीति की सर्वोत्तम परंपराओं के अनुरूप एक शांतिदूत की होनी चाहिए।

युद्ध की परिस्थितियां निरंतर नए मोड़ ले रही हैं। ऐसे में राष्ट्रीय हितों की रक्षा का प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है। चूंकि वर्तमान सरकार का यह नैतिक दायित्व है कि इन हितों को सर्वोत्तम रूप से कैसे सुरक्षित किया जाए, इसलिए उसके निर्णय और विवेक का सम्मान किया जाना चाहिए।

निस्संदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था में विदेश और रक्षा नीतियां भी बहस के दायरे से परे नहीं हैं, लेकिन सार्वजनिक विमर्श में यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि वर्तमान सरकार ही घरेलू लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय शक्ति के कारकों का प्रभावी उपयोग करने में सर्वाधिक सक्षम है। ऐसी स्थिति में नेतृत्व और विदेश नीति प्रतिष्ठान पर दुर्भावना का आरोप लगाना न तो नीति-संगत है और न ही विवेकपूर्ण। स्मरण रहे कि कटुतापूर्ण आरोपों की तुलना में संयमित शैली में व्यक्त की गई।

असहमति कहीं अधिक प्रभावशाली होती है।

आज का राशिफल

मेष

संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

वृष

भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा।

कर्क

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या

रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा सफल रहेगी।

तुला

मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी।

वृश्चिक

निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

मकर

शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

कुंभ

कार्य पर ध्यान दें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

मीन

पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य समाचार

हार्ट ब्लॉकेज को नैचुरल तरीके से कैसे खोलें? इन टिप्स से मिलेगा फायदा

दिल की धमनियों में ब्लॉकेज की समस्या इन दिनों लोगों में काफी अधिक देखने को मिल रही है। लेकिन यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इससे हार्ट अटैक, फेलियर और स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन स्थितियों के कारण व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो सकती है। इसलिए समय-समय पर इसकी जांच कराना और निगरानी रखना बहुत जरूरी है। अगर आपको पहले से हाई कोलेस्ट्रॉल या ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं हैं, तो आपको अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

हार्ट के ब्लॉकेज खोलने के प्राकृतिक उपाय

पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। आपका आहार संतुलित होना चाहिए। तनाव न लें, इससे धमनियों में दबाव बढ़ता है। शराब और स्मोकिंग से सख्त परहेज करें। शरीर का वजन अधिक न बढ़ने दें, इसे कंट्रोल करें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखें, साथ ही समय-समय पर इनकी जांच कराएं। पर्याप्त और अच्छी नींद लें शारीरिक रूप से एक्टिव रहें, दिनभर चलते-फिरते रहें नियमित एक्सरसाइज जरूर करें। कोशिश करें कि रोजाना कम से कम 30-40 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें

हार्ट में ब्लॉकेज क्यों होते हैं

ब्लॉकेज की समस्या तब होती है, जब हृदय को ऑक्सीजन और पोषण युक्त रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में प्लाक जमा होना शुरू हो जाता है। इसके कारण धमनियों संकुचित होने लगती हैं और उनकी दीवारें सख्त हो जाती हैं। प्लाक धमनियों में फैट, कोलेस्ट्रॉल और कई अन्य पदार्थों मिलकर बनता है। यह एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो धमनियों की दीवारों पर जमा हो जाता है। यह धमनियों को ब्लॉक करती हैं, जिससे उनमें दबाव बढ़ने लगता है। क्योंकि इस स्थिति में रक्त का संचार ठीक से नहीं होता है और हृदय तक पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं पहुंच पाता है, जो लंबे समय में हृदय रोगों का कारण बनता है।

चेहरे पर लगाएं चिरौंजी और दूध से बना यह फेस पैक, बढ़ेगा ग्लो और दूर होगी कई परेशानियां

चिरौंजी का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी माना जाता है। चिरौंजी में मौजूद गुण और पोषक तत्व शरीर के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। इसका इस्तेमाल आमतौर पर कई तरह की मिठाइयों को बनाने में किया जाता है। चिरौंजी सिर्फ आपके शरीर को पोषण देने और स्वाद के लिए ही नहीं बल्कि चेहरे से जुड़ी कई परेशानियों में भी बहुत उपयोगी होता है। इसमें मौजूद गुण स्किन का ग्लो बढ़ाने से लेकर दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन को दूर करने में भी बहुत उपयोगी होते हैं। चिरौंजी में विटामिन बी, नियासिन, विटामिन सी समेत कई एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से कई फायदे मिलते हैं। चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से आपको कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है। चिरौंजी और दूध में मौजूद गुण और पोषक तत्व स्किन से जुड़ी कई गंभीर परेशानियों को दूर करने में बहुत उपयोगी होते हैं। चेहरे पर मौजूद डार्क सर्कल्स, दाग-धब्बे, मुहांसे दूर करने और निखार लाने के लिए चिरौंजी का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद माना जाता है।

चेहरे का ग्लो बढ़ाए : चेहरे का ग्लो वापस लाने के लिए चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। चिरौंजी में फैटी एसिड और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा होती है। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से आपकी स्किन का रंग साफ होता है और ग्लो बढ़ता है।

डार्क सर्कल्स हटाने में उपयोगी : डार्क सर्कल्स हटाने के लिए भी चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। चिरौंजी चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को हटाने और स्किन को निखारने का काम करता है। इसके अलावा चिरौंजी और दूध में मौजूद ब्लीचिंग गुण स्किन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आंख के आसपास मौजूद डार्क सर्कल्स को हटाने में भी चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल उपयोगी होता है।

दाग-धब्बे दूर करने में फायदेमंद : चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन से छुटकारा पाने के लिए भी चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल बहुत उपयोगी होता है। इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से आपकी स्किन एक्सफोलिएट होती है और डेड स्किन सेल्स दूर होते हैं। नियमित रूप से चेहरे पर चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन साफ होती है।

ड्राईनेस दूर करे : ड्राई स्किन की समस्या में चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल करने से आपकी स्किन मॉइश्चराइज होती है और स्किन को नमी मिलती है। दूध और चिरौंजी से बने फेस पैक का कुछ दिनों तक इस्तेमाल करने से आपको ड्राई स्किन से छुटकारा मिलता है।

एक्ने और मुहांसे दूर करे : स्किन पर मौजूद एक्ने और मुहंसों से छुटकारा पाने के लिए चिरौंजी और दूध का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद गुण स्किन की अच्छी तरह से सफाई करते हैं और स्किन पोर्स में जमा गंदगी को बाहर निकालते हैं। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से आपको एक्ने और मुहांसों को दूर करने में फायदा मिलता है।

नारियल की मलाई खाने से होते है यह फायदे

पाचन दुरुस्त रखे : नारियल की मलाई का सेवन पेट की काफी अच्छा माना जाता है। इसमें फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। मलाई का सेवन करने से पेट में गैस, ऐंठन, अपच और कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है।

वजन घटाने में मददगार : अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो आपको डाइट में नारियल की मलाई को शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है। इसे खाने से भूख जल्दी नहीं लगती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। साथ ही, इसमें मीडियम चेन ट्रिगिसेरिडिस नामक हेल्दी फैट पाया जाता है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखे : डायबिटीज के मरीजों के लिए नारियल की मलाई बहुत फायदेमंद होती है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। वहीं, इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसे खाने से ब्लड शुगर स्पाइक को रोकने में मदद मिलती है और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज रोगी डॉक्टर से सलाह लेकर नारियल की मलाई का सेवन कर सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद : नारियल की मलाई का सेवन हमारे दिल की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसमें सैचुरेटेड फैट मौजूद होता है, तो दिल के लिए अच्छा होता है। यह शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और बुरे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। साथ ही, नारियल की मलाई में पॉलीफेनॉल मौजूद होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से लडकर शरीर की कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से बचाते हैं। इसके सेवन से कई क्रोनिक बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

पति ने पत्नी की गला रेतकर हत्या, खुद ने भी की जान देने की कोशिश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। चाकसू थाना क्षेत्र के स्वामी का बास गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और पूरी रात शव के पास बैठा रहा। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। थानाधिकारी मनोहर लाल के अनुसार सांगानेर के श्योपुर निवासी सुनीता 25 की शादी वर्ष 2020 में स्वामी का बास निवासी रामवतार रैगर से हुई थी। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। रामवतार बेरोजगार था। जिसके चलते आए दिन कहासुनी होती रहती थी। जहां शुक्रवार रात विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी सुनीता का चाकू से गला रेत दिया। हमले के दौरान सुनीता ने बचने का प्रयास किया। जिससे कमरे में खून फैल गया। हत्या के बाद आरोपी ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन बच गया और रातभर पत्नी के शव के पास ही बैठा रहा। जब शनिवार सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने गेट के पास सुनीता का शव और पास में घायल रामवतार को देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी चाकसू की मोर्चरी भिजवाया। जबकि आरोपी को उपचार के बाद हिरासत में ले लिया गया। मृतका के भाई मुकेश ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

पाण्डुलिपियों के डिजीटाइजेशन हेतु दें सूचना

निसं

चूरू (नवयत्न)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा ज्ञान भारतम् मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत शैक्षणिक संस्थानों, महाविधालयों/विश्वविद्यालयों, मंदिरों, मठों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहकर्ताओं के पास उपलब्ध भारत की विभिन्न विषयों की पाण्डुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण एवं डिजिटाईजेशन कार्य किया जाना है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पाण्डुलिपियों का डिजिटाईजेशन कार्य कर उनका संरक्षण करना है। पाण्डुलिपियों के रूप में संरक्षित प्राचीन ज्ञान परम्परा को डिजिटाईजेशन के माध्यम से सुरक्षित किये जाने की एक महत्ती परियोजना है, जिसके अन्तर्गत मंदिरों, पुस्तकालयों, मठों में रखी पाण्डुलिपियों की खोज करते हुए सूची तैयार की जानी है। उन्होंने सभी जिलेवासियों से अपील की है कि विरासत संरक्षण के इस अनूठे कार्य में सभी का सहयोग अपेक्षित है।

मिड-डे मील की नई गाइड लाइन कल से होगी लागू

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। शिक्षा विभाग ने स्कूलों में संचालित मिड-डे मील योजना को लेकर व्यापक दिशा-निर्देश जारी करते हुए गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। आयुक्तालय ने मिड-डे मील योजना द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि अब बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। नए आदेश एक अप्रैल को जारी किए गए हैं। ये आदेश 6 अप्रैल से लागू होंगे। आदेश में कहा गया है कि सभी स्कूलों में भोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण एफएसएसएआई के तय मानकों के अनुसार ही तैयार किया जाए और परोसा जाए। भोजन तैयार करने से लेकर परोसने तक हर चरण के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी की गई है। साफपानी का उपयोग, स्वच्छ रसोई, ढके हुए भोजन और साफबर्तनों का उपयोग अनिवार्य किया गया है। भोजन की सुरक्षा के लिए एफएसएसएआई के फाइव कीज टू सेफफूड मॉडल को लागू किया गया है। इसमें साफसफाई, सही तापमान, सुरक्षित पानी और कच्चे-पके भोजन को अलग रखने जैसे नियम शामिल हैं।

जहरीले पदार्थ के सेवन से वृद्ध दंपती की मौत

निसं

सूरजगढ़ (नवयत्न)। उपखंड के स्वामी सेही गांव में जहरीले पदार्थ के सेवन से वृद्ध दंपत्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह स्वामी सेही निवासी भीम सिंह मेघवाल उम्र 62 वर्ष उनकी पत्नि घोघड़ी देवी उम्र 60 वर्ष की अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन करने से तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजन दोनों को अस्पताल लेकर गए जहां पर डॉक्टरों ने दंपत्ति को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाके परिजनों को सौंप दिया। मृतक दंपत्ति के इकलौते पुत्र विनोद कुमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने मृग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। वृद्ध दंपत्ति की मौत के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक दंपत्ति के तीन बेटियां व एक बेटा है चारों विवाहित है उसके बावजूद ऐसा कदम उठाने पर गांव सहित क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

भगवान विष्णु का प्रिय माह वैशाख शुरू

जयपुर (नवयत्न)। हिंदू नव वर्ष का दूसरा महीना वैशाख शुरू होते ही धार्मिक गतिविधियों में तेजी आ गई है। स्कंद पुराण में वैशाख मास को अत्यंत पुण्यदायी और भगवान भगवान विष्णु का प्रिय माह बताया गया है। इस दौरान पूजा-पाठ, जप-तप, उपवास और दान-पुण्य का विशेष महत्व रहता है। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा के अनुसार वैशाख मास में विशेष रूप से जलदान का महत्व है। इस माह में राहगीरों को ठंडा पानी पिलाना, पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना और जरूरतमंदों को जूते-चप्पल व वस्त्र दान करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। इससे मानसिक कष्टों से मुक्ति और जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से विशेष फल मिलता है। वहीं सूर्योदय के बाद तक सोने, तामसिक भोजन करने और जल की बर्बादी से बचने की सलाह दी गई है। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा के अनुसार 5 अप्रैल-विकट संकष्टी, 13 अप्रैल-वरूथिनी एकादशी, 14 अप्रैल-मेष संक्रांति, 15 अप्रैल-मासिक शिवरात्रि, 17 अप्रैल-वैशाख अमावस्या, 18 अप्रैल-पराशर ऋषि जयंती, 19 अप्रैल-परशुराम जयंती व अक्षय तृतीया, 20 अप्रैल-संकर्षण चतुर्थी, 21 अप्रैल- शंकराचार्य जयंती, 22 अप्रैल-स्कंद षष्ठी, 23 अप्रैल-गंगा सप्तमी, 25 अप्रैल- जानकी नवमी, 27 अप्रैल-मोहिनी एकादशी और 28 अप्रैल-भौम प्रदोष व्रत रहेगा। वैशाख माह को दान, सेवा और संयम का प्रतीक माना गया है, जिसमें जलदान को सबसे बड़ा पुण्य बताया गया है।

पॉश सोसाइटी में चल रही ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़

निसं

जयपुर (नवयत्न)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और जोधपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जोधपुर की पॉश सोसायटी आशापूर्णा प्लेटिनम के एक फ्लैट में चल रही ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की एमडी ड्रग, नशीली गोलियां और मादक पदार्थ बनाने का भारी जखीरा बरामद किया गया है। इस ऑपरेशन की रूपरेखा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में तैयार की गई। एसपी ज्ञानचंद यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में टीमों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि 2 अप्रैल को बनाड़ क्षेत्र में एक अन्य ड्रग फैक्ट्री का खुलासा कर 3 किलो से अधिक एमडी और 55 किलो से ज्यादा केमिकल बरामद किया गया था। पूछताछ में आरोपी गणपतराम ने खुलासा किया कि वह केवल मोहरा है और मुख्य आरोपी भरत विश्नोई उर्फआसुराम उर्फलक्की है, जो अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट में रहकर ड्रग तैयार कर रहा था। पुलिस टीम ने फ्लैट का दरवाजा तोड़कर तलाशी लीए जहां अलमारी में रखे बैग से नशीले पदार्थों का बड़ा जखीरा मिला। एफएसएल और एनसीबी टीम ने पुष्टि की कि बरामद पदार्थ मेफेड्रोन एमडी और उच्च गुणवत्ता वाले केमिकल हैं। कार्रवाई में 366 ग्राम शुद्ध एमडीए 1.178 किलोग्राम उच्च श्रेणी का केमिकल, 3.663 किलोग्राम 2000 से अधिक नशीली गोलियां, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पैकिंग सामग्री और अन्य उपकरण जब्त किए गए। पूछताछ में गणपतराम ने बताया कि आर्थिक तंगी और कर्ज के चलते उसे इस अवैध कारोबार में धकेला गया। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई से 5 किलो से अधिक नशीले पदार्थ बाजार में जाने से रोके गए हैं और जोधपुर में सक्रिय एक बड़े ड्रग नेटवर्क को झटका लगा है। मुख्य आरोपी भरत विश्नोई फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

सेवानिवृति पर डॉ. नबी का अभिनन्दन

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। स्थानीय से संस्था डॉ. अब्दुल कलाम फाउंडेशन के तत्वावधान में डीपीएस कोचिंग सेंटर में शनिवार को एक दिवसीय कैरिअर मार्गदर्शन सेमिनार कार्यशाला संपन्न हुई । कार्यक्रम में डॉ. गुलाब नबी सिसोदिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उप सहायक रजिस्ट्रार डॉ. गुलाब नबी का टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा से सेवा निवृत्त होने पर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा माला एसाफा पहनाकर और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ. नबी ने कहा कि बच्चों के लिए स्थानीय क्षेत्र पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संस्थान की शुरुआत गर्व की बात बताई। उन्होंने नीट और जेईई के विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से आगे बढ़ने पर अच्छे परिणाम मिलने का आश्वासन और प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम में चीफशहर काजी सैयद मोहम्मद मदनी, डॉ. मोहम्मद परवेज ने भी विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. राजेश विद्रोही, पूसे खान मलवान, अबूबकर बल्खी, इंसाफखान, अख्तर भाटी, परवेज इमरान, सैयद इरफान, सैयद कामिल, फरमान, शरीफ तंवर, मनीष राजपुरोहित, कामरान बड़गुजर, यूसुफखान, यूसुफभाटी, हरिकिशन शर्मा, एसएन रणवां, साहिल भाटी सहित अनेक आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन इंसाफखान ने किया।

साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर तहसील के ग्राम तोगावास स्थित शहीद सुखदेव सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्रधान राम प्रताप सांखला ने बताया कि राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना के तहत कक्षा 9 में अध्ययनरत बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की जाती है। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से उन छात्राओं के लिए है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, ड्रॉपआउट दर को कम करना तथा उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। सत्र 2025-26 में विद्यालय की कक्षा 9 की कुल 10 छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य अनुसुइया शर्मा, विद्यालय का समस्त स्टाफए सरपंच प्रतिनिधि एडवोकेट कृष्ण कुमार, व्यवस्थापक रतन सिंह राठौड़, कल्याण सिंह राठौड़, देवेंद्र सिंह राठौड़ एवं धर्मपाल ढकरवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एलपीजी का विकल्प बन सकती है बायोगैस

वर्तमान वैश्विक संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। बायोगैस जैसे स्वदेशी और टिकाऊ विकल्पों को अपनाकर भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास को गति दे सकता है।

भारत आज ऊर्जा परिवर्तन के एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। एक ओर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों घरों तक एलपीजी पहुंचाकर स्वच्छ ईंधन की क्रांति लाई है, वहीं दूसरी ओर बढ़ती आयात निर्भरता, कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक संकटों ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हाल के समय में पश्चिम एशिया के तनाव के कारण एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने की घटनाओं ने इस चिंता को और गहरा किया है। अमेरिकाङ्कइस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है।

निस्संदेह, यह स्थिति भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश के लिए एक चेतावनी है कि अब ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को टालना संभव नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय संकटों का सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है—पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं, महंगाई बढ़ती है और घरेलू रसोई तक प्रभावित होती है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकल्प तलाशें। इसी संदर्भ में बायोगैस एक मजबूत और टिकाऊ समाधान के रूप में उभरती है।

बायोगैस जैविक कचरे—जैसे गोबर, कृषि अवशेष, रसोई कचरा आदि—से उत्पन्न गैस है, जिसमें मुख्य रूप से मीथेन होती है। यह गैस खाना पकाने, बिजली उत्पादन और वाहन ईंधन के रूप में भी इस्तेमाल की जा सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में बायोगैस की अपार संभावनाएं हैं। गांवों में पशुधन और जैविक कचरे की उपलब्धता इसे एक व्यावहारिक विकल्प बनाती है।

गांवों में छोटे और मध्यम आकार के बायोगैस प्लांट स्थापित कर स्थानीय स्तर पर गैस का उत्पादन किया जा सकता है। इससे एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी। आधुनिक तकनीक के माध्यम से बायोगैस को शुद्ध कर कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) बनाया जा सकता है, जो एलपीजी और सीएनजी का प्रभावी विकल्प है। 'गोबर-धन योजना' और 'एसएटीएटी' जैसी योजनाएं बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दे रही हैं। इनके माध्यम से किसानों और उद्यमियों को आर्थिक सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। शहरों में निकलने वाले जैविक कचरे को बायोगैस में बदलकर न केवल ऊर्जा पैदा की जा सकती है, बल्कि कचरा प्रबंधन की समस्या का भी समाधान किया जा सकता है।

भारत में एलपीजी की सालाना खपत लगभग 28ङ्क31 मिलियन टन के आसपास है। भारत में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 10ङ्क12 एमएमटी प्रति वर्ष है। यानी कुल मांग का केवल 35ङ्क40 प्रतिशत ही देश में बनता है। भारत को हर साल लगभग 18ङ्क22 एमएमटी एलपीजी आयात करनी पड़ती है। यानी 60ङ्क65 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भरता। भारत आधा से ज्यादा एलपीजी बाहर से खरीदता है। आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। इसलिए हॉर्मुज स्ट्रेट जैसे संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा हैं।

भारत में अभी लगभग 132 सीबीजी प्लांट चल रहे हैं। इनकी कुल उत्पादन क्षमता लगभग 920 टन प्रतिदिन है। यानी अभी बायोगैस का योगदान 1 प्रतिशत से भी कम है। भारत 20 एमएमटी सीबीजी बना सकता है। कुल संभावित क्षमता कचरा, गोबर, अवशेष की। कुल क्षमता लगभग 60 एमएमटी तक मानी जाती है। इसका मतलब भारत अपनी पूरी एलपीजी जरूरत (30 एमएमटी) बायोगैस से पूरा कर सकता है। फिलहाल अभी लगभग 300 से अधिक नए प्लांट निर्माणाधीन हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार भारत में 2030 तक बायोगैस उत्पादन 7 गुना तक बढ़ सकता है।

लैंगिक समानता को बल देने वाली पहल

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और इसी के साथ जल संकट के दिन आने वाले है। ऐसे ही माहौल में बीते दिनों विश्व जल दिवस मनाया गया। 1993 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जा रहा यह दिवस जल को जीवन, विकास और मानव अधिकार के रूप में स्थापित करने के वैश्विक प्रयासों का प्रतीक है, किंतु इस औपचारिकता के पीछे एक कठोर सच्चाई आज भी यथावत है। यह सच्चाई केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देती है। फिजी के एक तटीय गांव में रहने वाली छह वर्षीय लैसानी घर के पास पानी के टैंक से वर्षा जल एकत्र करती है। वह प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर घर लाती है, जहां पीने से पहले उसे उबाला जाता है। उसके परिवार के लिए वर्षा जल ही सुरक्षित पानी का मुख्य स्रोत है। इसे उपयोग योग्य बनाए रखना उनके दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि तथ्य बताते हैं कि विश्व में लगभग 1.8 अरब लोगों के घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है।

हर तीन में से दो परिवारों में पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्यत: महिलाओं और लड़कियों पर होती है। पानी लाने और उसके प्रबंधन में खपने वाला समय अक्सर लड़कियों की शिक्षा में बाधा, स्वास्थ्य जोखिमों में वृद्धि और सीमित अवसरों का कारण बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएं और लड़कियां प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ घंटे पानी एकत्र करने में व्यतीत करती हैं। यह केवल समय का आंकड़ा नहीं, बल्कि वे असंख्य अवसर हैं, जो शिक्षा, कौशल विकास, मनोरंजन या आय अर्जित करने वाली गतिविधियों में परिवर्तित हो सकते थे। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि 15 वर्ष से कम आयु की लड़कियों (7 प्रतिशत) के पानी लाने की संभावना समान आयु के लड़कों (4 प्रतिशत) की तुलना में अधिक है। यह लैंगिक असमानता को उजागर करता है।

यूएन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026 यह रेखांकित करती है कि जल संकट केवल संसाधनों की उपलब्धता का प्रश्न नहीं, बल्कि समान अधिकारों और अवसरों से जुड़ा हुआ एक गहरा सामाजिक प्रश्न है। घरों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के अभाव का सबसे अधिक भार महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, जो अधिकांश परिवारों में पानी लाने की प्राथमिक जिम्मेदारी निभाती हैं। जब सुरक्षित जल घर के निकट उपलब्ध होता है, तो लड़कियों के स्कूल में बने रहने की संभावना बढ़ती है और महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए समय मिलता है। शहरी झुग्गी बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों तथा मासिक धर्म स्वच्छता के लिए पर्याप्त जल का अभाव न केवल शारीरिक असुविधा का कारण बनता है, बल्कि महिलाओं और किशोरियों के लिए शर्मिंदगी, असुरक्षा और सामाजिक बहिष्करण की स्थिति भी उत्पन्न करता है। विडंबना यह है कि 50 से कम ही देशों में ऐसी नीतियां हैं, जो ग्रामीण स्वच्छता और जल संसाधन प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी का स्पष्ट उल्लेख करती हैं। जहां वैश्विक स्तर पर नीतिगत असंतुलन अब भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, वहीं भारत ने इस चुनौती का समाधान खोजने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की है। जल जीवन मिशन के माध्यम से भारत ने न केवल जल उपलब्धता के प्रश्न को संबोधित किया है, बल्कि जल प्रबंधन में व्याप्त लैंगिक असमानता को भी दूर करने का प्रयास किया है। 2019 में प्रारंभ जल जीवन मिशन, जिसे 'हर घर जल' के रूप में भी जाना जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसे दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है। मार्च 2026 तक इस मिशन के अंतर्गत लगभग 15.82 करोड़ ग्रामीण परिवारों को उनके घरों में पाइप जल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है, जो कुल ग्रामीण परिवारों का लगभग 81 प्रतिशत से अधिक है। इस तरह जल जीवन मिशन ने लैंगिक समानता की दिशा में एक अभूतपूर्व और अनुकरणीय कार्य किया है।

घर या घर के निकट जल उपलब्ध होने से महिलाओं का समय शिक्षा, आजीविका और अन्य उत्पादक गतिविधियों में लगता है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 'जल जीवन मिशन के परिणामस्वरूप लगभग नौ करोड़ महिलाओं को पानी लाने के दैनिक श्रम से मुक्ति मिली है। यह केवल श्रम में कमी नहीं, बल्कि उनके समय और ऊर्जा के पुनर्संयोजन का संकेत है। महिलाओं की कृषि एवं अन्य उत्पादक गतिविधियों में भागीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है, जो यह स्पष्ट करती है कि जल तक आसान पहुंच सीधे तौर पर महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण से जुड़ती है।

इस मिशन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका लैंगिक दृष्टिकोण है। ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी को अनिवार्य कर सरकार ने महिलाओं को केवल जल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि जल प्रबंधन की निर्णयकर्ता के रूप में स्थापित किया है।

जल समाधान में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को केंद्र में रखा जाना आवश्यक है, ताकि वे केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि जल प्रबंधन और नीति निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भागीदार बन सकें। भारत ने जल जीवन मिशन के माध्यम से इस विचार को व्यवहार में रूपांतरित करते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है, परंतु यह केवल आरंभ है और इस क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

पर्यटकों के लिए खास है भारत के ये प्रसिद्ध मंदिर

भारत एक ऐसा देश है जिसे करोडो देवी देवताओं का घर माना जाता है इसलिए यहाँ के हर राज्य हर शहर और गली में किसी न किसी भगवान का मंदिर अवश्य ही मिल जायेगा इनमे से कुछ तो अति प्राचीन हैं तो वही कुछ हाल ही में बने है इन मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते है और भगवान से अपनी मन चाही मुराद मांगते है भारत के सनातन संस्कृति में मंदिरों का बड़ा महत्व है।

भारत के प्रसिद्ध मंदिर अक्षरधाम मंदिर

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर दिल्ली में यमुना नदी के तट पर स्थित्त एक विशाल हिन्दू मंदिर है जिसकी स्थापना 6 नवम्बर 2005 को की गई थी मंदिर के अंदर भगवान स्वामीनारायण की मूर्ति स्थापित है यह मंदिर भारतीय संस्कृति और क्लाकिर्तियों को दर्शाता है तथा यह दुनिया का सबसे बड़ा हिन्दू मंदिर है ये इतना विशाल है की इसमें कुल 234 पिल्लर, 9 गुम्बद और करीब 20000 साधुओं और आचार्य की मूर्तियाँ है इसके अलावा मंदिर में कुल 148 हाथी बनाये गये है इस मंदिर का नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में भी शामिल है अगर आप अपने परिवार के साथ दिल्ली आये है तो कृप्या इस भव्य मंदिर को देखने जरुर जाये शाम के समय यहाँ वाटर और लाइट शो भी होतें है जिसमे एक इंसान के पैदा होने से मृत्यु तक के जीवन काल को पानी और रौशनी के अदभुत मिलाप से दशाया जाता है।

इस्कॉन मंदिर दिल्ली

दिल्ली के पूर्व में स्थित प्रसिद्ध इस्कोन मंदिर को हरे राम हरे कृष्णा मंदिर भी कहा जाता है जो भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है इसकी स्थापना वर्ष 1998 में 'अच्युत कनिव्द' ने की थी इस मंदिर की वास्तुकला काफी बारीकी से की गई है जो देखने लायक है मंदिर के परिक्रमा परिसर में भगवान श्री कृष्ण और राधा की मूर्तियाँ है इस मंदिर में आपको हर समय हरे राम हरे कृष्ण की ध्वनि सुनाई देती है जिसे सुनकर आप पूरी तरह से भगवान की भक्ति में लिन होजाएंगे। मंदिर के ठीक सामने बहुत सारी दुकाने उपलब्द है जहाँ से आप पूजा की समाग्री खरीद सकते है इस मंदिर में एक संग्राहलय भी है जहाँ रामायण और महाभारत के ग्रन्थ रखे हुए है यहाँ भगवान श्री कृष्ण का जन्मदिन यानि जन्माष्टमी को बड़े धूम धाम से मनाया जाता है इस दिन यहाँ भक्तो की भीड़ उमड़ी रहती है।

भारत का प्रसिद्ध धाम केदारनाथ मंदिर

भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ धाम एक प्राचीन शिव मंदिर है जो उतराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में हिमालय पर्वत की गोदी में स्थित देश के 12 ज्योतिर्लिंगों और पंच केदारं में से एक है कहा जाता है की वर्तमान में जो केदारनाथ मंदिर दिख रहा है उसका निर्माण जगत गुरु आदि शंकराचार्य जी ने 8वीं शताब्दी में करवाया था हालाँकि सबसे पहले इसे पांडवो ने आज से हजरों साल पहले बनवाया था जो समय के साथ लुप्त हो गया था यह मंदिर हिन्दू धर्म के सबसे पवित्र और पावन मंदिरों में से एक है जहाँ सच्ची श्रध्दा और भक्ति भावना से किये गये दर्शन से भक्तों को मोक्छा की प्राप्ति हो जाती है श्री केदारनाथ मंदिर को 'पंच केदार' भी कहा जाता है जिनके नाम कुछ इस तरह से है केदारनाथ, रुद्रनाथ,

तुंगनाथ, कल्पेश्वर और मधेश्वय ये मंदिर तीनो तरफ से पहाड़ की ऊँची चोटियों से घिरा हुआ है पहाड़ो के अलावा यहाँ कुल पांच नदियों का संगम है और ये नदियाँ मंदाकिनी, छिरगंगा, मधुगंगा, सरस्वती और स्वर्नगौर है परन्तु मंदाकिनी को छोड़ अब बाकि सारी नदियाँ लुप्त हो गई है केदारनाथ मंदिर 'नवम्बर से मई' के बिच 6 महीने के लिए बंद रहता है।

भारत का प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनाथ मंदिर

भारत के उतराखण्ड राज्य में चमोली जनपद नामक स्थान पर हिमालय की बर्फ से ढकी पर्वत शिंख्लाओ से घिरा हुआ है बद्रीनाथ मंदिर हिन्दू धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है जिसकी यात्रा के बिना सारी तीर्थ यात्राएँ अधूरी मानी जाती है समुद्र ताल से लगभग 10,279 फिट की ऊंचाई पर अलकनंदा नदी के समीप गढ़वाल पहड़ी पर यह पुन: भूमि स्थित है भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर में उनके 'बद्रीनारायण' रूप की पूजा होती है जहाँ प्रतिवर्ष लाखो की तादात में श्रद्धालु आते है कहा जाता है की चीन ने भारत पर आक्रमण कर इस मंदिर को तबाह नहस कर दिया था और मंदिर में स्थित मूर्ति को नारद कुण्ड में दल दिया था जिसे जगत गुरु आदि शंकराचार्य ने 8वीं शताब्दी मे वहां से निकालकर गरुड़ गुफा में पुनह स्थापित किया।

अमरनाथ गुफा मंदिर, जम्मू

धर्मिक और ऐतिहासिक द्रष्टि से अति महत्वपूर्ण अमरनाथ मंदिर हिन्दुओं का एक प्रमुख तीर्थस्थल है भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर श्रीनगर से लगभग 145 किलोमीटर दूर हिमालय पर्वत की गोद में स्थित एक प्रकिर्तिक मंदिर है प्रकिर्तिक का अर्थ है जिसकी उत्पति स्वंम हुई हो इस गुफा में स्थित शिवलिंग को बाबा बर्फानी और अमरेश्वर भी कहा जाता है श्री अमरनाथ गुफा की लम्बाई 160 फुट और चौड़ाई करीब 100 फुट है इसी गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अपने अमर होने का रहस्य बताया था आषाढ़ पूर्णिमा से शुरू होकर पुरे सावन महीने तक चलने वाली इस गुफा में दर्शन के लियए हजारो लाखों श्रद्धालु यहाँ आते है।

श्री राम जन्मभूमि अयोध्याजी

श्री राम जन्मभूमि अयोध्या मे सबसे पवित्र दर्शनीय स्थल है जो रामवाट नामक पर्वत पर स्थित है जिसकी दुरी अयोध्या रेलवे स्टेशन से मात्र 2 किलोमीटर है दोस्तों यह वही जगह है जहाँ भगवान श्री रामचंद्र जी का जन्म हुआ था बहुत पहले यहाँ भगवान श्री राम का मंदिर भी हुआ करता था जिसे राजा विक्रमादित्य ने बनवाया था लेकिन बाद मे इस मंदिर को अफगान से आया हुआ मुग़ल शासक बाबर ने तोड़वा दिया और उस जगह मस्जिद बना डाली जिसे 1992 मे कारसेवको द्वरा पुन: धवस्त कर दिया गया जिसके लिये बहुत विवाद भी चला और करीब 500 वर्षो के लंबे इंतजार के बाद आज उसी रामलला का भव्य मंदिर बनने की शुरुआत हो चुकी है जो आने वाले कुछ वर्षो मे बन कर तयार भी हो जाएगा यह सभी हिन्दुओं के लिये एक बड़े ही गर्व कई बात है आपको एक बार तो अपने जीवन मे इस जगह के दर्शन करने ही चाहिए।

काशी विश्वनाथ मंदिर

बनारस कि यह यात्रा काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किये बिना आपके लिये अधूरी ही रह जाएगी ऐसा समझिये क्योंकि जो कोई हिन्दू बनारस आता है वह सबसे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर मे ही जाता है क्योंकि यह मंदिर हिन्दुओ के लिये सबसे पवित्र दर्शनीय स्थल है यह मंदिर भगवान शिव को सम्रपित है और देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों मे से एक है रोजाना तक़रीबन हजारो कि तादात मे श्रद्धालु यहाँ आते है और पवित्र गंगा में स्नान कर मंदिर के दर्शन करते है माना जाता है कि ऐसा करने से मनुष्य को मोक्छ कि प्राप्ति होती है अगर आप मंदिर मे दर्शन के लिये जाना चाहते है तो एकदम सुबह-सुबह जाये नही तो फिर इतनी भीड़ हो जाती है कि आपको घंटो इंतजार करना पड़ सकता है मंदिर सुबह 4 बजे के बाद खुल जाता है

वैष्णो देवी मंदिर, जम्मू

जम्मू राज्य के कटरा में त्रिकुटा नामक पहाड़ी पर स्थित है माता वैष्णों देवी का मंदिर जिसे भारत का एक अति महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है और सभी पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है माता रानी का यह मंदिर 5200 फिट की ऊंचाई और कटरा से लगभग 12 किलोमीटर की दुरी पर स्थित है जहाँ गुफा के अन्दर देवी काली, सरस्वती और लक्ष्मी जी की मूर्तियाँ स्थापित है जिन्हें वैष्णों देवी या माता रानी कहा जाता है यहाँ देश भर से प्रति वर्ष 1 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते है ये तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर के बाद देश का दूसरा सबसे ज्यादा देखे जाने वाला तीर्थस्थल है

भारत के प्राचीन मंदिर महाबोधि मंदिर

बिहार के गया शहर से करीब 13 किलोमीटर दूर गंगा नदी के मैदानी भाग में स्थित महाबोधि मंदिर दुनिया भर से बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगो के लिए एक बहुत बड़ा स्थान है ये मंदिर उसी स्थान पर निर्मित है जहाँ भगवान गौतम बौद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी कहा जाता है की जिस पीपल के पेड़ के निचे बुध भगवान बैठा करते थे वो पेड़ आज भी यहाँ मौजूद है जिसे बौद्ध वृक्ष कहा जाता है यह मंदिर बौद्ध गया का सबसे महत्पूर्ण स्मारक तथा भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट नमूना है इसके अलावा ये बौद्ध धर्म के चार पवित्र स्थानों में से एक है

दक्षिणेश्वर मंदिर

हुगली नदी के तट पर स्थित यह मंदिर कोलकाता के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों मे से एक माना जाता है जो काली माता को सम्रपित है इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1847 ईस्वी मे रानी रासमणि ने करवाया था ऐसा कहा जाता है कि माँ काली ने ही इस मंदिर निर्माण के लिये रानी रासमणि को स्वप्न दिए थे इस मंदिर के निर्माण मे कुल 9 लाख रूपए कि लागत और 8 साल लगे तब जाकर यह भव्य मंदिर तयार हुआ इस मंदिर मे माँ काली के अलवा भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति और भोलेनाथ के 12 शिवलिंग स्थापित है

भारत के प्रसिद्ध मंदिर कालीघाट मंदिर

यह मंदिर कोलकाता के कालीघाट मे स्थित काली माता को सम्रपित है जिसे पुरे भारत वर्ष मे माता काली की आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र माना जाता है हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी स्थान पर माता सती की दाहिने पैर कि ऊँगली गिरी थी इसलिए इस स्थान को देश 51 शक्तिपिठो मे से एक माना जाता है इस बड़े ही अदभुत और सुंदर मंदिर के अन्दर माँ की प्रतिमा लाल और काले रंग के पत्थर मे दिखाई देंगी जिसमे माँ काली की जिवा बाहर निकली हुइ है और वे भगवान शिव के छाती पर पैर रखी हुइ हैं और उनके गले मे नरमुंडो की माला तथा हाथ मे कुल्हाड़ी लिये दिखाई देंगी यह एक ऐसा मंदिर था जहाँ केवल हिन्दू ही नही बल्कि अंग्रेज भी दर्शन के लिये आते थे।

पर्यटकों को घूमने के लिए बेहतरीन जगह है सिंधुदुर्ग किला

सिंधुदुर्ग किला महाराष्ट्र राज्य के मालवन में समुद्र तट पर स्थित एक प्राचीन किला है जो अरब सागर में एक टापू पर स्थित है। यह भव्य किला 48 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसकी विशाल दीवारें समुद्र की दुर्घटनाग्रस्त लहरों के खिलाफ खड़ी हैं। किले के मुख्य द्वार को इस तरह छुपाया गया है कि कोई भी इसे बाहर से पहचान न सके। सिंधुदुर्ग किला मराठा दूरदर्शिता और साधन संपन्नता का एक ठोस उदाहरण है। यह शक्तिशाली किला न केवल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण आकर्षण है, बल्कि आसपास के परिदृश्य की प्राकृतिक सुंदरता इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाती है। शक्तिशाली अरब सागर के ठीक बीच में फैला यह किला एक मनमोहक नजारा प्रस्तुत करता है अपने इन्ही आकर्षणों के दम पर यह किला हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। सिंधुदुर्ग किला महाराष्ट्र का एक ऐतिहासिक किला है। सिंधुदुर्ग किला के इतिहास पर नजर डालने पर हम पाते है की सिंधुदुर्ग किला का निर्माण सन् 1664 में छत्रपति शिवाजी द्वारा अंग्रेजी, डच, फ्रेंच और पुर्तगाली व्यापारियों के बढ़ते प्रभाव से सुरक्षा प्रदान करने और सिद्दी के उदय को रोकने के उद्देश्य से किया गया था। सिंधुदुर्ग किला शुरू में 1765 तक मराठा साम्राज्य की कमान में था। लेकिन 1792 में ब्रिटिश संधि के अनुसार यह किला ब्रिटिश शासन के अधीन आ गया।

आर्किटेक्चर ऑफ सिंधुदुर्ग फोर्ट

सिंधुदुर्ग किले की ताकत इसकी अडिग इंजीनियरिंग में निहित है, जिसने स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग अपनी सर्वोत्तम संपत्तियों में किया है। किले को बनाने के लिए मुख्य सामग्री गुजरात से लाई गई रेत थी, जबकि किले की नींव सैकड़ों किलोग्राम सीसे से रखी गई थी। किले का परिसर 48 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें 3 किलोमीटर लंबा बुलेवार्ड है। सिंधुदुर्ग किले की

दीवारें 30 फीट ऊंची और 12 फीट मोटी हैं, जिससे यह व्यावहारिक रूप से असंभव पैमाना है। किले के मुख्य द्वार को इस तरह बनाया गया है कि कोई भी इसे बाहर से पहचान न सके। सिंधुदुर्ग किले में 42 बुर्ज भी हैं, जो अभी भी ऊंचे हैं और पद्मगढ़, राजकोट और सरजेकोट किले जैसे कई छोटे किलों से घिरे हैं। साथ मराठा वीर छत्रपति को समर्पित एक छोटा मंदिर भी किले की सीमा के अन्दर स्थित है।

सिंधुदुर्ग किला की टाइमिंग

यदि आप अपने फ्रेंड्स या फैमली के साथ सिंधुदुर्ग फोर्ट की ट्रिप को प्लान कर रहे हैं और अपनी ट्रिप पर जाने से पहले टाइमिंग सर्च कर रहे हैं तो हम आपके बता दे सिंधुदुर्ग किला सप्ताह के सातों दिन सुबह 8.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक खुला रहता है। आप इस दौरान कभी भी यहाँ घूमने आ सकते है। एक बात का और विशेष ध्यान दें सिंधुदुर्ग फोर्ट ट्रिप के लिए कम से कम 2-3 घंटे का समय जरूर निकालें।

सिंधुदुर्ग किला की एंट्री फीस

एंट्री फ़ीस ऑफ़ सिंधुदुर्ग फोर्ट सर्च करने वाले पर्यटकों को बता दे सिंधुदुर्ग किला घूमने के लिए कोई भी प्रवेश शुल्क या फीस नही हैं यहाँ बिना किसी फीस का भुगतान आराम से घूम सकते हैं।

दुनिया के खूबसूरत ये सात अजूबे

दुनिया के सात अजूबे वो स्मारक हैं जिन्हें नई सेवेन वंडर्स फाउंडेशन द्वारा घोषित किया गया है जो दुनिया के अलग अलग देशो में स्थित है और इन्ही में से एक हमारे देश भारत का ताजमहल भी शामिल है जो हर भारतवासी के लिए एक गर्व की बात है।

ताजमहल : हमारे देश भारत का ताजमहल भी दुनिया के सात अजूबों में अपना नाम दर्ज कराए बैठा है ताजमहल का निर्माण मुग़ल शासक शाहजहाँ ने अपनी प्रिय बेगम मुमताज महल की याद में सन् 1632 ईस्वी में करवाया था जिसे एक प्यार की निशानी माना जाता है ताजमहल को बनाने में तक़रीबन 20 हजार मजदुर और 15 साल का समय लगा था ऐसा कहा जाता है की निर्माण के बाद शाहजहाँ ने सभी मजदूरों के हाथ कटवा दिए थे ताकि वे फिर दोबारा ऐसी कोई चीज न बना सकें। ताजमहल सफ़ेद संगमरमर से बना एक भव्य ईमारत है जिसके आस पास हरे भरे बाग बगीचे, पुल और पानी का फव्वारा बना है यहाँ देश ही नही विदेशों से भी हजारों लाखों कि संख्या में पर्यटक इसकी सुन्दरता को देखने आते है

द ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना : इस विशाल दिवार का निर्माण 7वीं शताब्दी से लेकर 16वीं शताब्दी तक हुआ था वहाँ के अगल अगल शासकों द्वारा मंगोल के आक्रमण से अपने राज्य की रक्षा के लिए इसे बनाया गया था इसके निर्माण में मिट्टी, पत्थर, ईट और लकड़ी का उपयोग किया गया था इस दिवार को द ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना कहा जाता है जो अंतरिक्ष से भी साफ साफ दिखता है। इस मानव निर्मित दिवार की लम्बाई लगभग 6400 किलोमीटर है जो पूर्वी चीन से लेकर पश्चिमी चीन तक फैली हुई है तथा चीन के

कई रेगिस्तान, पठार और पहाड़ियों से हो कर गुजरती है इसकी ऊंचाई करीब 35 फीट है और चौड़ाई इतनी की छे घोड़ सवार एक साथ आराम से पेट्रोलिंग कर सकते हैं द ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना के बडलिंग हिस्से में सबसे अधिक पर्यटक घूमने आते है आप यहाँ केबल कार के जरिए पहुँच सकते है

द रोमन कोलोसियम : इटली के रोम नामक शहर में स्थित रोमन कोलोसियम कंक्रीट और रेत से बना एक विशाल स्टेडियम है जिसका निर्माण 70वीं ईस्वी से 80वी ईस्वी के बिच हुआ था पप्राचीन काल में यहाँ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ करते थे जिसे देखने के लिए इस स्टेडियम में करीब 50 से 80 हजार लोग आराम से बैठ थे लेकिन कई बार भूकंप के झटके सहने के कारण अब यह थोड़ा बहुत नस्ट हो गया है पर फिर भी यह शान से खड़ा आज दुनिया के सात अजूबों में से एक है

पेट्रा : जॉर्डन देश का पत्र शहर एक एतिहासिक और पुरातात्विक नगरी है जो अपने विचित्र बनावट के लिए दुनिया भर में मशहूर है यहाँ बड़े बड़े चट्टानों और पत्थरों को काटकर इमारतों का निर्माण किया गया है यही कारण है की इस शहर को रोस सिटी भी कहा जाता है। ईन क्लाकिर्तियों का निर्माण 312बीसी के आस पास हुआ था जॉर्डन देश की जादातर कमाई पेट्रा से ही होती है यह शहर आज से समय एक मशहूर पर्यटन स्थल बन चूका है जहाँ हर साल बहुत से पर्यटक इसे देखने जाते है यही नही पेट्रा को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साईट की सूची में भी शामिल किया गया है

माचू पिच्चु : माचू पिच्चु दक्षिण अमेरिकी शहर पेरू में एक ऊँची चोटी पर स्थित छोटी सी नगरी हुआ करती थी जो समुद्र तल से लगभग 2430 मीटर की ऊँचाई पर थी शोधकर्ताओं की माने तो माचू पिच्चु का निर्माण 1400 के आस पास राजा पचाकुती द्वारा करवाया गया था हालाकिं इसके ठीक 100 साल बाद माचू पिच्चु पर स्पेन का आक्रमण हुआ और उन्होंने इस पर विजय प्राप्त कर ली लेकिन थोड़े ही समय बाद वे इसे छोड़ कर चले गये और फिर धीरे धीरे यह सभ्यता नस्ट हो गई। उस समय यहाँ पर इंका सभ्यता रहा करती थी जिनकी क्लाकिर्तियों को आज भी देखा जा सकता है वर्ष 1911 में अमेरिकी इतिहासकार हिरम बिंघम ने माचू पिच्चु पर खोज की और इसे दुनिया के सामने लाया वर्ष 1983 में यूनेस्को द्वारा इसे वर्ल्ड हेरिटेज साईट में शामिल किया गया था

क्राइस्ट द रिडीमर : क्राइस्ट द रिडीमर दुनिया के सात अजूबों में से एक है जो ब्राज़ील के रियो डी जेनेरो के दक्षिण में कोरकोवाडो की पहाड़ी पर स्थित ईसा मसीह की एक प्रतिमा है जो कंक्रीट और सोपस्टोन से बनी हुई है इस प्रतिमा की ऊँचाई लगभग 130 फीट है और चौड़ाई 28 मीटर। पहले यह दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा हुआ करती थी लेकिन आज के समय इससे भी ऊँची प्रतिमा सरदार बल्ब भाई पटेल जी की है जो भारत के गुजरात राज्य में स्थित है ईसा मसीह की इस प्रतिमा का निर्माण वर्ष 1931 में पूरा हुआ था जिसका कुल वजन करीब 635 टन के आस पास है इसे बनने वाले फ्रेंच के महान मूर्तिकार पॉल लौंडोव्स्की थे तथा इसका डिज़ाइन दो व्यक्ति कार्लोस ओसवाल और सिल्वा कोस्टा ने किया था

चिचेन इत्जा : चिचेन इटजा मेक्सिको में स्थित एक बहुत पुराना मायान मंदिर है जो माया सभ्यता से जुड़ी हुई है जिसका निर्माण 600 ईशा पूर्व में हुआ था यह ईमारत उस समय की कुशल कारीगरों की मेहनत को दर्शता है चिचेन इटजा का मायान मंदिर कुल 5 किलोमीटर के छेत्रफल में फैला हुआ 79 फिट ऊँचा एक पिरामिड के आकार में है मंदिर में ऊपर जाने के लिए चरों तरफ से कुल 365 सीढियाँ है हर दिशा में 91 सीढियाँ बनी हुई है जो साल के हर एक दिन को दर्शाती है और 365 दिन के लिए मंदिर के ऊपर एक बड़ा सा चबूतरा बना है इसके अलावा यहाँ कई मंदिर, पिरामिड और खेल के मैदान बने हुए है।

चेहरे पर लगाएं दूध की मलाई और हल्दी

दाग-धब्बों से मिलेगी आपको राहत

अक्सर दूध की मलाई का इस्तेमाल मिठाई या फिर किसी तरह के व्यंजनों को तैयार करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा दूध की मलाई का इस्तेमाल पिंपल्स और एक्ने की परेशानी को दूर करने के लिए किया जाता है। वहीं, हल्दी की बात कि जाए, तो हल्दी के इस्तेमाल से आप अपनी स्किन की रंगत को निखार सकते हैं। यह आपकी स्किन को संक्रमण से मुक्त कर सकता है। साथ ही स्किन की चमक को बढ़ाता है। इसके अलावा हल्दी का इस्तेमाल स्किन पर करने से कई लाभ हो सकते हैं।

स्किन की संरचना में करे सुधार : हल्दी और मलाई का इस्तेमाल करने से स्किन की लोच में सुधार किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप झुर्रियों की परेशानी दूर होती है। दूध की मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन की संचरना को बेहतर करता है। इससे स्किन की बनावट में सुधार आ सकता है।

डेड सेल्स को हटाने में प्रभावी

स्किन पर हल्दी और दूध की मलाई का इस्तेमाल करने से डेड सेल्स को हटाया जा सकता है। दरअसल, दूध की मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड, सेल को रिपेयर करने में अहम भूमिका निभाता है। लैक्टिक एसिड की वजह से दूध की मलाई मृत कोशिकाओं को हटाने का कार्य करती है। इससे स्किन पर नए सेल्स का निर्माण होता है। वहीं, हल्दी के मिश्रण से आपकी स्किन को दोगुना फायदा हो सकता है।

स्किन को रखे जवां

दूध की मलाई और हल्दी स्किन पर जमा मृत कोशिकाओं को हटाकर आपकी स्किन पर निखार लाता है। इसकी मदद से बेजान स्किन में जान आती है। साथ ही यह स्किन को साफ और गोरा बनाता है। हल्दी और दूध की मलाई का इस्तेमाल करने से स्किन पोर्स और मुंहासों की परेशानी दूर की जा सकती है। यह स्किन पर मौजूद झुर्रियों को दूर करने आपकी स्किन को जवां बनाता है।

स्किन को करे मॉइश्चराइज

स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए हल्दी और मलाई का इस्तेमाल करें। दूध की मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड में मॉइस्चराइजिंग गुण होता है। यह स्किन को हाइड्रेट करता है। साथ ही आपकी स्किन को सॉफ्ट बनाए रख सकता है। अगर आप अपनी स्किन को कोमल बनाए रखना चाहते हैं, तो मलाई और हल्दी का इस्तेमाल करें।

सूर्य की किरणों से करे प्रोटेक्ट

नियमित रूप से मलाई और हल्दी के इस्तेमाल से सनटैन और सूर्य से होने वाली स्किन डैमेज की परेशानी दूर की जा सकती है। दरअसल, मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड सूर्य से होने वाली डैमेज की परेशानी को दूर करता है। साथ ही यह आपकी स्किन को शांत करता है। इससे स्किन पर होने वाली परेशानी दूर होती है।

स्किन पर लाए चमक

स्किन पर प्राकृतिक चमक लाने के लिए हल्दी और दूध की मलाई का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह स्किन को ड्राई होने से बचाता है। साथ ही स्किन की ड्राईनेस को दूर कर सकता है। इससे आपकी स्किन पर चमक आती है।

रंगत में करे सुधार

हल्दी और मलाई के इस्तेमाल से स्किन की रंगत में सुधार किया जा सकता है। यह स्किन को गहराई से साफ करता है, जिससे स्किन की रंगत में सुधार आ सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल

मलाई और हल्दी को बराबर मात्रा में लेकर इसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे अपने चेहरे पर लगाकर कुछ देर के लिए मालिश करें। इसके बाद कुछ समय के लिए इसे छोड़ दें। इससे आपको काफी लाभ होगा।

नाश्ते में भून कर खाएं या सूप बनाएं, हर तरह से फायदेमंद है ब्रोकोली

फूल गोभी जैसी गहरे हरे रंग की ब्रोकोली तो आपने ज़रूर देखी होगी और कभी न कभी स्टीम्ड या सूप के तौर पर खाई भी होगी। पर क्या आप जानती हैं कि यह पोषक तत्वों, फाइबर और प्रोटीन से भरपूर है। आप इसे कच्चा या स्टीम करके खा सकती हैं, इसे विभिन्न व्यंजनों में एक सामग्री के रूप में शामिल कर सकती हैं, या इसे क्रिस्पी नाश्ते के रूप में भून भी सकती हैं।

एंटीऑक्सीडेंट का बूस्टर डोज

एंटीऑक्सिडेंट शरीर की कोशिकाओं में सूजन को कम करने में मदद करते हैं, जो ऊतकों और अंगों को पुरानी बीमारियों या बाहरी वातावरण के संपर्क से होने वाले नुकसान से बचाता है। सूजन कभी-कभी कैंसर के विकास की शुरुआत के लिए ट्रिगर बिंदु हो सकती है। शोध से पता चलता है कि ब्रोकली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट संभावित रूप से कैंसर के इस खतरे को कम कर सकते हैं।

विटामिन से है भरपूर

अध्ययनों से पता चलता है कि एक कप ब्रोकली में पूरे एक संतरे के बराबर विटामिन सी होता है। विटामिन सी पूरे शरीर में उपचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्वस्थ त्वचा और हड्डियों के लिए आवश्यक कोलेजन का उत्पादन करने में मदद करता है। विटामिन सी भी एक प्रतिरक्षा बूस्टर है और आपको सामान्य संक्रमणों से जल्दी ठीक होने में सक्षम बनाता है। ब्रोकोली विटामिन ए, डी, ई और के में भी समृद्ध है, और बी 12, बी 6, नियासिन और राइबोफ्लेविन जैसे विटामिन बी कम्पोजीशन से भरा हुआ है। जो हड्डी और मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाने, ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और गठिया के कारण होने वाले दर्द और सूजन को दूर करने में मदद करती है।

मिनरल का है खजाना

कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और जिंक से भरपूर ब्रोकली मिनिरल्स का खजाना है, जो शरीर के अच्छी तरह से काम करने के लिए बेहद आवश्यक हैं। एक कप ब्रोकली एक व्यक्ति की दैनिक पोटेशियम की आवश्यकता का लगभग 5% प्रदान करता है। रक्त उत्पादन में सुधार और हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखने से लेकर हड्डियों को मजबूत रखने तक, ब्रोकली समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी है।

ब्रोकोली मधुमेह के खतरे को कम करती है

वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि ब्रोकली खाने से टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों को इसमें मौजूद सल्फोराफेन नामक कॉम्पोजीशन के कारण शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। यह इंसुलिन को बॉडी में सही तरह से काम करने के लिए प्रेरित करता है और विभिन्न खाद्य पदार्थों से शरीर को मिलने वाली चीनी की डर भी नियंत्रण में रखता है, जिससे लंबी अव स्थिर ग्लूकोज आपूर्ति मिलती है।

ब्रोकोली है हैप्पी हार्ट का सीक्रेट

यह अच्छे एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हुए खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने में मदद करता है। ब्रोकली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट दिल के दौरे के खतरे को कम करते हैं। ब्रोकोली जैसी हाई फाइबर वाली खाने की चीज़ें वैसे भी एक स्वस्थ हृदय प्रणाली से जुड़ी हैं।

पाचन में सुधार करती है

ब्रोकली में बहुत सारा फाइबर होता है जो पाचन में सहायता करता है और हमारे आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया बनाता है। यह मल त्याग को नियमित रखता है, कब्ज नहीं होने देताऔर आपको लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे वजन घटाने में भी मदद मिल सकती है।

ब्रोकली में एंटी-एजिंग गुण होते हैं

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया ऑक्सीडेटिव तनाव से जुड़ी होती है और गुजरते वर्षों के साथ चयापचय क्रिया कम हो जाती है। जबकि उम्र बढ़ना तो तय ही है, हमारे डाइट ऑप्शन सीधे जीन एक्सप्रेशन को प्रभावित करते हैं और इस जैव रासायनिक प्रक्रिया को धीमा करने की क्षमता रखते हैं। ब्रोकोली में मौजूद बायोएक्टिव कॉम्पोजीशन ब्रेन को हेल्दी बनाता है।

बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं ये सब्जियां

बच्चे सब्जियां खाने में बहुत नाक-मुंह बनाते हैं। लेकिन उन्हें सब्जियां खिलाना बहुत महत्वपूर्ण है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर विकास के लिए उनकी डाइट में सब्जियां शामिल करना जरूरी है। अक्सर बहुत से पेरेंट्स इस बात को लेकर काफी असमंजस में रहते हैं कि उनके लिए बच्चों को कौन सी सब्जियां खिलाना ज्यादा फायदेमंद होता है? चिंता न करें, इसमें आपकी मदद करने के लिए हम यहां हैं। वैसे तो बच्चों को सभी तरह की सब्जियां खिलाने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन कुछ मौसमी सब्जियां भी खिलानी चाहिए।

पालक खिलाएं : हरी पत्तेदार सब्जियां स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होती हैं। पालक में प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, हेल्दी फैट आदि अच्छी मात्रा में होते हैं। साथ ही इसमें विटामिन ए, सी, आयरन, कैल्शियम और फोलिक एसिड भी मौजूद होता है। यह पेट संबंधी समस्याओं कब्ज, पेट में गैस, कीड़े आदि में बहुत फायदेमंद है साथ ही आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है।

गाजर खिलाएं : ताजा संतरी या नारंगी रंग की सब्जियों में जरूरी पोषक तत्व अच्छी मात्रा में होते हैं। वहीं गाजर में बीटा-कैरोटीन मौजूद होता है, यह एक जरूरी मिनरल है जो बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। यह शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है। जो दांत, आंख, हृदय, लिवर, त्वचा, लिवर के साथ ही किडनी के लिए भी बहुत आवश्यक है।

आलू खिलाएं : आलू कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्रोत हैं। साथ ही आलू में विटामिन सी भी मौजूद होता है। यहां तक कि आलू छिलके एक साबुत केले की तुलना में पोटेशियम ज्यादा होता है।

लौकी खिलाएं : बच्चे लौकी खाने में बहुत आना-कानी करते हैं। लेकिन यह बच्चों के लिए एक बेहतरीन फूड है। इसमें विटामिन सी, बी, पोटेशियम, आयरन और सोडियम जैसे जरूरी विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। साथ ही इसकी खास बात यह है कि लौकी में पानी की मात्रा होती है। इसके सेवन से बच्चों में डिहाइड्रेशन, पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस, ब्लोटिंग, कब्ज और अपच जैसी समस्याएं नहीं होती है।

मटर खिलाएं : मटर को कई सब्जियों और व्यंजनों में डाला जाता है। मजर विटामिन के, बी1, मैंगनीज और फाइबर का अच्छा स्रोत है। साथ ही मटर में प्रोटीन की भी अच्छी मात्रा होती है, जिससे यह बच्चे शारीरिक विकास में बहुत सहायक है।

बीन्स खिलाएं : बीन्स में घुलनशील फाइबर मौजूद होते हैं। यह आपके बच्चे को कूल और शांत रखने में मदद करता है।

साथ ही घुलनशील फाइबर बच्चों में ब्लड शुगर को भी कंट्रोल रखता है। जिससे वे चिड़चिड़ापन महसूस नहीं करते हैं और उन का मूड ठीक रहता है।

ब्रोकोली खिलाएं : ब्रोकोली पोषक तत्वों का एक पावरहाउस है। इसमें शरीर के लिए कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जैसे पोटेशियम, विटामिन सी ए आदि। जिससे ये बच्चों के हृदय स्वास्थ्य, मांसपेशियों, आंखों को स्वस्थ रखने के साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए भी फायदेमंद है।

टमाटर खिलाएं : टमाटर विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत है। यह बच्चों की आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही हड्डियों को भी मजबूत बनाता है और विकास में मददगार है, क्योंकि टमाटर में विटामिन के भी होता है। इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है।

खीरा खिलाएं : खीरा में भरपूर मात्रा में पानी होता है। साथ ही यह डाइट्री फाइबर, विटामिन और मिनरल्स का एक अच्छा स्रोत है। यह न सिर्फ शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है। सात ही डिहाइड्रेशन, कब्ज से छुटकारा दिलाने और त्वचा के साथ ही खीरा खाने के अनेक लाभ हैं।

फूलगोभी खिलाएं : फूलगोभी पोषक तत्वों का सेवन करने से बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने और उनके विकास में मदद मिलती है। गोभी कैल्शियम, विटामिन सी, के और कई विटामिन और मिनरल से भरपूर होती है।

सेमल की छाल के प्रयोग से दूर होती हैं ये समस्याएं

आयुर्वेद में कई ऐसे पेड़-पौधे हैं, जिनका उपयोग कई समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। इन्हीं में सेमल भी शामिल है। सेमल एक पेड़ है, इसके फूल, फल, जड़ और छाल सभी हिस्सों का उपयोग आयुर्वेद में किया जाता है। सेमल एक औषधीय पेड़ है, इसका उपयोग कई समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। सेमल के फूलों का उपयोग ल्यूकोरिया, डायरिया और त्वचा की समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही सेमल का उपयोग कील-मुहांसों, चोट के घाव को भरने और त्वचा के निशान हटाने में भी कारगर होता है। सेमल की छाल त्वचा की समस्याओं को दूर करने में कारगर होती है। आयुर्वेद में कई ऐसे पेड़ हैं, जिनकी छाल का उपयोग औषधीय गुणों को पाने के लिए किया जाता है। सेमल की छाल भी आयुर्वेद में कारगर मानी गई है। इसका उपयोग तरह-तरह की समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है।

चोट के घाव भरे सेमल की छाल : कई बार चोट लगने के बाद घाव देरी से भरते हैं, इनमें दर्द और जलन बनी रहती है। ऐसे में आप सेमल की छाल का पाउडर पयोग में ला सकते हैं। सेमल की छाल चोट के घाव को जल्दी भरने में कारगर होती है। इसके लिए आप सेमल के पेड़ की छाल लें, इसे बारीक पीसकर पाउडर बना लें। इसे अपने जख्म या चोट पर लगाएं, इससे घाव को जल्दी भरने में मदद मिलेगी।

कील-मुहांसे दूर करे सेमल की छाल : सेमल की छाल का उपयोग त्वचा की समस्याओं को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है। सेमल की छाल त्वचा पर लगाने से स्किन ग्लोइंग बनती है। इसके लिए आप सेमल की छाल और सेमल की पत्तियों को पीस लें। रोजाना इस पेस्ट को मुहांसों पर लगाने से आपकी समस्या दूर हो जाएगी।

मुहांसों के दाग-धब्बे दूर करे सेमल की छाल : सेमल की छाल का उपयोग मुहांसों के दाग-धब्बों को दूर करने में भी कारगर होता है। सेमल की छाल का पाउडर मुहांसों को दूर करने के साथ ही, एक्ने के निशान भी दूर करता है। अगर आपको एक्ने के निशान हैं, तो आप सेमल की छाल का उपयोग कर सकते हैं।

यूरिनरी डिसऑर्डर दूर करे सेमल की छाल : सेमल की छाल का उपयोग यूरिनरी डिसऑर्डर से जुड़ी समस्याओं को भी दूर करता है। पेशाब से संबंधित समस्याओं से निजात पाने के लिए सेमल की छाल फायदेमंद होती है। इसके लिए आप सेमल की छाल और पलाश के फूल लें। इन दोनों को मिलाकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े को पीने से आपके मूत्र विकार दूर होने में मदद मिलेगी।

ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाए सेमल की छाल : स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए सेमल की छाल की फायदेमंद होती है। सेमल की छाल का उपयोग स्तनों के दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए आप सेमल के जड़ की छाल लें।

इसे अच्छी तरह से धूप में सूखा लें। अब इसका पाउडर तैयार करें, आप इस पाउडर को दिन में दो बार ले सकती हैं। इससे ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने में मदद मिलती है।

बड़ी दाढ़ी रखने वाले पुरुष ऐसे करें स्किन की देखभाल, चेहरे पर लगाएं ये फेसपैक

स्किन केयर सिर्फ महिलाओं के लिए जरूरी नहीं है बल्कि पुरूषों के लिए भी बेहद जरूरी है। अपने बिजी शेड्यूल में से पूरूषों को भी वक्त निकलाकर अपनी स्किन का खास ख्याल रखना चाहिए। इससे आपकी स्किन ग्लोइंग और चमकदार नजर आती है। साथ ही आपकी स्किन अंदर से क्लीयर होती है। दरअसल स्किन केयर को लेकर बहुत सारे पुरूषों को अधिक जानकारी भी नहीं होती है। हालांकि अब समय तेजी से बदल रहा है। पुरूष भी इन दिनों अब अपनी स्किन को लेकर काफी सजग हो गए हैं और उन्हें अच्छे से साफ करने को लेकर तरह-तरह के प्रोडक्ट्स सर्च करते रहते हैं। लेकिन अगर आपको चेहरे पर दाढ़ी रखना पसंद है, तो आपको कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपकी स्किन ग्लोइंग और बियर्ड्स भी अच्छे नजर आएं। गर्मियों के मौसम में ये थोड़ा और मुश्किल हो सकता है। लेकिन फेशियल का इस्तेमाल करने से आपको फ्रेश और प्रेजेंटेबल दिखने में मदद मिलती है।

कॉफी फेसपैक : कॉफी आपकी स्किन के लिए काफी अच्छी होती है। इससे आपकी स्किन पर ग्लो आता है और यह आपकी स्किन को अंदर से एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन की खूबसूरती को बनाए रखती है और कील-मुहांसों को दूर करने में मदद करती है। इसके अलावा इसे आप स्क्रब के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप थोड़ा कॉफी पाउडर ले लें और उसमें थोड़ा सा कोको पाउडर मिला लें। फिर इस मिश्रण में दूध मिलाकर एक अच्छा पैक तैयार कर लें। इस फेसपैक को स्किन पर अच्छी तरह से मसाज करते हुए लगाएं। पेस्ट सूखने के बाद इसे गीले वाइप से अच्छे से साफ करें और अपनी दाढ़ी को धो लें। इससे आपकी स्किन में भी ग्लो आता है और बियर्ड भी सही रहती है।

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन को गर्मियों में राहत देने के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है। दरअसल यह ऑयली स्किन के लिए काफी सही रहता है। यह अंदर से रोमछिद्रों से तेल साफ करने में मदद करता है। साथ ही यह ब्लैकहेड्स की समस्या से भी आपको निजात दिलाता है और गर्दन, माथे और चेहरे पर निखार लाता है। इसे बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को अच्छे से मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे अच्छे से चेहरे, गर्दन और माथे पर लगाएं। हालांकि इस दौरान पैक को दाढ़ी पर न लगाएं। इस पेस्ट को सूखने के बाद आप इसे साफ कर सकते हैं। यह आपकी स्किन के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

नींबू और शहद : नींबू और शहद आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए काफी अच्छा माना जाता है। नींबू में मौजूद विटामिन सी आपकी स्किन को चमकदार बनाता है और वहीं शहद आपकी स्किन को साफ और मुलायम बनाता है। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर त्वचा पर लगाएं। इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें।

धूप की वजह से काली हो गई है गर्दन, तो इन तरीकों से लगाएं एलोवेरा

हम अकसर अपने चेहरे, हाथ और पैरों का पूरा ख्याल रखते हैं। इनकी नियमित रूप से सफाई करती है। लेकिन शरीर के कुछ हिस्से ऐसे होते हैं, जहां पर हमारा ध्यान नहीं जाता है। उनमें से एक हिस्सा है, गर्दन। गर्दन को हम अकसर नजरअंदाज कर देते हैं। यही वजह है कि गर्दन और उसके आसपास के एरिया में कालापन जमा हो जाता है। धूप की वजह से गर्दन पर टैनिंग भी हो जाती है, जिससे कालापन अधिक नजर आने लगता है। गर्दन की सफाई न करने से कालापन बढ़ता है, इसके बाद यह एरिया हमारे शरीर से बिल्कुल अलग दिखता है। जब काफी समय तक गर्दन पर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो बाद में उसका कालापन निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अधिकतर लोग तरह-तरह के ट्रीटमेंट लेना शुरू कर देते हैं।

एलोवेरा और नींबू का रस

एलोवेरा और नींबू का पैक गर्दन के कालेपन को निकालने में कारगर हो सकता है। इसके लिए आप एक चम्मच एलोवेरा जेल लें। इसमें आधे नींबू का रस निचोड़ लें। आप चाहें तो इसमें शहद और गुलाब जल भी मिला सकते हैं। इसके बाद इसमें अपने पूरे गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद साफ पानी से धो लें। आप इसे हफ्ते में 2-3 बार लगा सकते हैं। इससे आपको काफी फर्क दिखने लगेगा।

एलोवेरा और हल्दी

गर्दन के कालेपन को रिमूव करने के लिए एलोवेरा और हल्दी पैक का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप 3 चम्मच एलोवेरा जेल लें। इसमें चुटकीभर हल्दी और आधा चम्मच बेसन मिलाएं। सभी को अच्छी तरह मिलाने के बाद इसे अपनी गर्दन पर लगाएं। आधे घंटे बार इसे पानी से साफ कर लें। फिर गर्दन को मॉयश्चराइज कर लें। आप इस पैक को हफ्ते में 3 बार लगा सकते हैं। इससे गर्दन का कालापन धीरे-धीरे साफ होने लगेगा।

एलोवेरा और खीरा

एलोवेरा और खीरे का उपयोग भी गर्दन के कालेपन को दूर करने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए आप 2 चम्मच एलोवेरा जेल लें। इसमें 2 चम्मच खीरे का रस मिला लें। इस पेस्ट को अपनी पूरी गर्दन पर लगाएं। आधे घंटे बाद धो लें। इससे गर्दन की त्वचा में नमी आएगी, साथ ही कालापन, सूखापन भी दूर होगा। एलोवेरा और खीरा त्वचा में चमक भी आता है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण सेचुकी देवी के पक्का घर का सपना हुआ साकार

निसं

चूरू (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और ग्रामीण विकास को गति देने के संकल्प में पीएम आवास योजना ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों के पक्का घर बनाने का संकल्प साकार हो रहा है। ऐसा ही एक उदाहरण है चूरू जिले की तारानगर पंचायत समिति के सात्यूं निवासी चुकी देवी पत्नी रामूराम का जिनका पीएम आवास योजना अंतर्गत पक्का घर बन पाया है। चुकी देवी बताती हैं कि वह एक गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। उनका जीवन पहले बहुत कठिन परिस्थितियों में बीत रहा था। वे वर्षों से एक कच्ची झोपड़ी में रह रही थीं। उनका खुद का पक्का मकान बनाना उनका सपना था। इस दौरान सरकार की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना के तहत चुकी देवी को पक्के मकान निर्माण के लिए 01 लाख 38 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता से उनका वर्षों सपना साकार हुआ और आज वे अपने परिवार के साथ एक पक्के मकान में रह रही हैं। चूकी देवी सरकार का आभार जताते हुए कहती हैं कि पीएम आवास योजना से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। यह योजना ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप ने जताया आलाकमान का आभार

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भाजपा एस सी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता और नेता जयपुर प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शनिवार को सुबह कृषि मंडी से रवाना हुए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी, भाजपा जिन्दाबाद और भजनलाल सरकार जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने नई जिम्मेदारी देने के लिए प्रदेश आलाकमान का आभार जताया और कहा कि मैं इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाने का प्रयास करूंगा। वहीं जयपुर जाने वाले नेताओं में निवर्तमान पार्षद पुरुषोत्तम शर्मा, पंकज घासोलिया, हिमांशु भाटी, वीरेंद्र गहलोत, गंगाधर लाखन, राजेश सुंगत, जब्बार भुट्टा, विनोद खटीक, धनराज रनवा, रणवीर राणा, निवर्तमान पार्षद जितेंद्र सिंह, विनोद सामरिया, सलीम, दीनदयाल, रामधन फलवाडिया, दीपक बागड़ा, तिलोक गुरु, शाहिद खान, हरिशंकर, मुकेश गहलोत, मिलापचंद, रामचंद्र प्रजापत, रेवंतमल दर्जी, नरेंद्र गुर्जर, जावेद खींची, हबीब, महेंद्र कुमार वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता और नेताओं के नाम शामिल हैं।

धूमधाम से मनाया करंट वाले बालाजी महाराज का मूर्ति स्थापना दिवस

चिड़ासन (नवयत्न)। विद्युत विभाग सहायक अभियंता विद्युत कार्यालय, चनाना में शनिवार को श्री करंट वाले बालाजी महाराज के मूर्ति स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री करंट वाले बालाजी महाराज के सानिध्य में विशेष पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चनाना गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ श्री बालाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा वातावरण धार्मिक एवं आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। इस धार्मिक आयोजन से समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। सहायक अभियंता कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा पूरे कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई गई। कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, व्यवस्था संचालन एवं अन्य सेवाओं में सराहनीय योगदान दिया। उनकी सेवा भावना एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बताया। इस प्रकार श्री करंट वाले बालाजी महाराज का मूर्ति स्थापना दिवस चनाना में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धार्मिक वातावरण के बीच मनाया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व सरपंच मोहर सिंह, पूर्व सरपंच गुरुदयाल, पूर्व प्रधान बजरंग चारावास, आशीष कुमार, लेखाकार, सुरेश चाहर, स्वेत्ता, मुकेश, बिजेंद्र, विकाश, सुनील, रामनिवास सज्जन, पूर्व सरपंच जुगलाल, ख्याली राम, धर्मपाल सोलाना, सहीराम, विजय आदि मौजूद रहै।

अवैध रूप से बेची जा रही शराब जब्त

तारानगर (नवयत्न)। पुलिस ने कस्बे में साहवा मार्ग पर एक दुकान में अवैध रूप से बेची जा रही शराब को जब्त कर एक जने को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मिखाला गांव निवासी सुरजीत कस्बे में साहवा मार्ग पर एक दुकान पर शराब बेच रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंचकर सुरजीत से शराब बेचने का लाइसेंस मांगा। लाइसेंस नहीं मिलने पर पुलिस ने सुरजीत को गिरफ्तार कर दुकान में रखी 174 बोतल बीयर, 45 बीयर कैन, 12 बोतल देशी शराब, 48 बोतल अंग्रेजी शराब सहित सैंकड़ों पव्वे व अधहे देशी व अंग्रेजी शराब के जब्त कर लिए। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीसीबी स्कूल में हुआ होनहार विद्यार्थियों का सम्मान

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय राजकीय पीसीबी उच्च माध्यमिक विद्यालय में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र, छात्राओं का सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भामाशाह व सेवानिवृत्त अध्यापिका कौशल्या गुलेरिया रहीं। जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य रणवीर सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. शर्मिला सोनी, टीम हारे के सहारा के श्यामसुंदर स्वर्णकार व उप प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा व पवन तोदी मंचस्थ रहे। विद्यालय की छात्रा रूपा कोचर ने कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। वही आदिल खिलजी ने 92.60, सोनू लोरा ने 87.80, धवल गौड़ ने 87 प्रतिशत, कविता जाखड़ 82.40 प्रतिशत, राधेश्याम 79.60 प्रतिशत, रामस्वरूप 77 प्रतिशत, अंकिता प्रजापत 77 प्रतिशत व लक्की खत्री ने 78.50 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल व परिजनों का नाम रोशन किया है।

समारोह में सभी होनहार विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया तथा प्रशस्ति पत्र, डॉक्यूमेंट फाइल, मोमेंटो एवं स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया। कौशल्या गुलेरिया द्वारा 17 विद्यार्थियों को 500 रुपये प्रति छात्र देकर सम्मानित किया गया। विभा सोनी, डॉ. शर्मिला सोनी व श्यामसुंदर स्वर्णकार ने भी विधार्थियों को अपनी ओर से पुरुस्कार प्रदान किया। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गो से डीजे के साथ विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें छात्र छात्राएं व स्कूल स्टाफ ने जमकर डांस किया। इस अवसर पर अभिभावकों सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एकता मीणा ने किया। प्रधानाचार्य रणवीर सिंह महरिया ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए सभी विद्यार्थियों और स्टाफ स्टाफ सदस्यों के शुभकामनाएं दीं। विज्ञान में वर्ग में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमश: 3100, 2100, 1100, कक्षा 10 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 1100, कक्षा 5 में प्रथम चार विद्यार्थियों को 2000 विभा सोनी की ओर से 1000 पुरुषोत्तम व मुकेश कुमार की ओर 1000 इन्हें अध्यापन करवाने वाले अध्यापकों ने नगद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई।

देवदूत बने राजस्थान पुलिस के जांबाज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शहर के ब्रह्मपुरी इलाके में शुक्रवार शाम का मंजर किसी डरावने सपने से कम नहीं था। तेज अंधड़ और बारिश ने एक टीन शेड वाले घर को पलभर में मलबे में बदल दिया था। मलबे के नीचे दबी कराहती व मदद को पुकारती एक महिला 3 ऊपर बिखरे टीन के टुकड़े 3 और चारों तरफ फैले टूटे बिजली के तार, जिनमें दौड़ रहा था करंट। हर सेकंड खतरा बढ़ रहा था, हर पल मौत करीब आ रही थी। बिजली के खुले तारों को देखकर कोई भी शख्स महिला को निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। लेकिन तभी मिली सूचना पर बिजली की गति से वहां पहुंचे दो चेहरे-हेड कांस्टेबल भागीरथ और चालक हंसराज-जो उस दिन सिर्फ पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि जिंदगी की आखिरी उम्मीद और देवदूत बनकर आए। हालात ऐसे थे जहां एक कदम आगे बढ़ाना भी जान जोखिम में डालने जैसा था। मगर इन दोनों ने न हालात देखे, न खतरा3 बस देखा तो एक जिंदगी, जो मदद को पुकार रही थी।

करंट से भरे तारों के बीच, मलबे को हटाते हुए, हर पल खतरे से जूझते हुए उन्होंने उस महिला तक पहुंच बनाई। पसीने, डर और जोखिम के बीच आखिरकार उन्होंने उसे बाहर खींच लिया-जैसे मौत के मुंह से जिंदगी छीन ली हो। इसके बाद बिना समय गंवाए महिला को तुरंत एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां अब वह सुरक्षित है। यह सिर्फ एक रेस्क्यू नहीं था 3 यह उस जज्बे की कहानी थी, जहां वर्दी सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इंसानियत का प्रतीक बन जाती है। जब हर कोई पीछे हट जाता है, तब यही पुलिसकर्मी आगे बढ़ते हैं 3और साबित कर देते हैं। आड़े वक्त में पुलिस सिर्फ कानून नहींए जिंदगी भी बचाती है।

नवनियुक्त जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने संभाला पदभार

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। आशीष मोदी ने शनिवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सीकर का पदभार ग्रहण किया। मोदी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर के निदेशक पद से स्थानांतरित होकर सीकर आएं है। इससे पूर्व जिला पुलिस विभाग द्वारा उन्हें गार्ड ऑफऑनर दिया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिले में प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण उनकी प्रथम प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के विजन के अनुसार कार्य करते हुए जिले को आगे बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन तथा फ्लेगशिप योजनाओं में गति लाने के साथ ही आमजन तक इनका लाभ पहुंचाया जायेगा। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर जिले की वर्तमान स्थिति का फीडबैक प्राप्त किया तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर भावना शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल यादव, एसीईओ जिला परिषद शीशराम यादव, यूआईटी सचिव जेपी गौड़, एसडीएम निखिल कुमार, उपखण्ड अधिकारी रींगस बृजेश गुप्ता, सहायक निदेशक जनसम्पर्क पूरण मल, उप निदेशक सांख्यिकी डॉ. अनिल शर्मा, जिला साक्षरता अधिकारी चन्द्र प्रकाश महर्षि, सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग इंदिरा शर्मा, नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा, जिला रसद अधिकारी विजेन्द्र पाल सहित जिला कलेक्टर के अतिरिक्त निजी सचिव सर्वेश माथुर, सूचना सहायक सांवर मल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। इससे पूर्व नवनियुक्त जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दरबार में दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर जिले में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने नवनियुक्त जिला कलेक्टर का श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने मंदिर व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

टॉपर विद्यार्थियों का किया सम्मान

निसं

तारानगर (नवयत्न)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में शहिद पिथुराम राउमावि कोहिणा में 12वीं विज्ञान वर्ग व कला वर्ग एवं 10वीं में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यार्थियों का विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

12वीं विज्ञान वर्ग में जशोदा पुत्री मुरलीधर जोशी ने 92.20 प्रतिशत अंक के साथ टॉप किया, रीना महिया 91.40 प्रतिशत बसंत कुमार 90.60 प्रतिशत, रामावतार 90.20 प्रतिशत, पूजा व्यास 87.20 प्रतिशत, सियाराम 85.60 प्रतिशत अंक अर्जित किए। 12वीं कला वर्ग में ज्योति पुत्री महावीर प्रसाद पूनियां 86. 40प्रतिशत अंक प्राप्त कर कला वर्ग की टॉपर रही, 10वीं बोर्ड में नरेंद्र पुत्र बिकेश ने 86.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य नन्दलाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी व ग्रामीणों को बालक बालिकाओं का राजकीय विद्यालय में प्रवेश कराने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विजयशंकर, अनिल बेनीवाल, कुलदीप सहारण, सुरेंद्र कुमार, कमलेश चौधरी, रुबीना बानो, जोगेंद्र सिंहएआनंद जांगिड़, महावीर सहारण, गोविंद पारीक, मुरलीधर जोशी, गोविंद राम पुरोहित, सीताराम भामी, बजरंग व्यास सहित समस्त स्टाफ व विभिन्न ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुभाष पारीक व्याख्याता ने किया।

शानदार परीक्षा परिणाम देने वाले अध्यापकों व विद्यार्थियों का किया स्वागत

निसं

तारानगर (नवयत्न)। रा.उ.मा. विद्यालय रेड़ी भूरावास में कक्षा 12 का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम रहने पर रेड़ी, भूरावास, किलीपुरा, पिथाणा व बिल्लियां के ग्रामीणों ने गांव की मुख्य चौपाल में स्वागत व सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने कक्षा 12 में क्रमश: 95.40, 94 व 93 प्रतिशत अंक हासिल करने पर सुचिना थोरी, जसवीर व शिवचरण सिंह तथा कक्षा दस मे अच्छे अंक अर्जित करने वाले कंचन सहारण, पुष्पा जांगिड़ व आईना प्रजापत को साफा माला व प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पंचायत प्रशासक प्रमिला कंवर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीबीईओ बबलेश शर्मा ने गांव के युवाओं द्वारा की गई इस विशेष पहल की तारीफ करते हुए ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया व राजकीय विद्यालयों को श्रेष्ठ विद्यालय बताते हुए अपने बच्चों को राजकीय विद्यालयों में भेजने के लिए आग्रह किया। संस्था प्रधान बाबूलाल बुनकर ने विद्यार्थियों व समस्त स्टाफ को बधाई देते हुए विद्यालय में नामांकन बढाने पर बल दिया। इससे पहले भोमिया सेवा समिति के सदस्यों व पंचायत के लोगों द्वारा प्रधानाचार्य मय कक्षा अध्यापक डॉ. लखपती कुलड़िया, प्रदिप गोस्वामी सहित सभी विद्यालय स्टाफ का माला व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को प्रदीपसिंह राठौड़, प्रेम कुमार गौड़, गिरवरसिंह राठौड़, बंशीराम कस्वां व प्रभुराम घेऊवा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी सरजीत सिहाग, श्रवण कुमार, सरदाराराम नैण, कल्याण सिंह रावला, नानूसिंह राठौड़, रावतगर, मदनलाल जोशी, नागरमल सुथार, गोविंद जोशी, राकेश कस्वा, दिपगर गोस्वामी, लीलाधर नैण, सुरेन्द्र भूरावास, बलराम थोरी, दिवानसिंह, किशन गोस्वामी, गिरधारी सिंह, जगदीश सिंह, मुकेश कस्वां, धनपत रूहिल, भवानी सिंह, राजकुमार बरोड़, जगदीश सिंह, महेश भाटी, गिरधारी योगी, नरपतसिंह, मोहन जिनागल, रोहित सिंह, सुभाष गोस्वामी, मांगीनाथ, हाथीराम नायक, दीपचंद शर्मा, रामस्वरूप जोशी, राकेश छिंपा सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक व पंचायत के जनप्रतिनिधि तथा सैंकड़ों की संख्या में पंचायतवासी मौजूद रहै। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट मुकेश शर्मा ने किया।

प्रथम वार्षिक उत्सव में बाबा का 21 किलो दुध व इत्र से होगा अभिषेक

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री श्याम गौ सेवा समिति के वार्षिक उत्सव में श्री श्याम बाबा का 21 किलो दुध व इत्र से भव्य अभिषेक किया जाएगा। जिसमें 15 जोड़े बाबा श्री श्याम का दुध व इत्र से अभिषेक करेंगे। बाबा श्री श्याम की प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक करने के बाद इस प्रतिमा को श्री श्याम गौ सेवा समिति के प्रधान कार्यालय में विराजमान किया जाएगा। गौरलतब है कि श्री श्याम गौ सेवा परिवार समिति की ओर से मुहाना मंडी रोड स्थित मंगलम पैलेस में 11 अप्रैल को दोपहर सवा 12 बजे बाबा श्री खाटू श्याम जी की प्रतिमा का दुध व इत्र से 15 जोड़े अभिषेक करेंगे। जिसके पश्चात 12 अप्रैल को सांय सवा 6 बजे से भजन संध्या का भव्य आयोजन होगा। जिसमें पूर्व श्री गलतापीठाधीश्वरअवेधाचार्य महाराज व राघवेंद्रचार्य महाराज, काले हनुमान जी मंदिर से महामडंलेश्वर मनोहर दास जी महाराज, गौ ऋषि संत प्रकाश दास जी महाराज अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हु समिति के अध्यक्ष नरेंद्र टेलर व उपाध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने बताया कि श्री श्याम गौ सेवा परिवार समिति के ओर से ये समिति का प्रथम वार्षिक उत्सव 11 व 12 अप्रैल को संपन्न् होने जा रहा है जो श्री श्याम भक्तों के लिए एक महाकुंभ के सामन है। इस कार्यक्रम में करीब 1 हजार से अधिक गौभक्त शामिल होगे। उकार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ सवा 6 बजे से हरिइच्छा तक जारी रहेंगा।

32 फीट चौड़ा सजेगा बाबा का दरबार

समिति संचालक राधेश्याम टेलर व जयपुर जिला प्रभारी रमेश मेवाड़ा ने बताया कि समिति के प्रथम वार्षिक उत्सव में मंगलम पैलेस में बाबा श्याम का 32 फीट का भव्य दरबार सजाया जाएंगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के फूलो व इत्र से वर्षा की जाएगी। इससे पूर्व बाबा के समक्ष अखंड ज्योत प्रज्वलित, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा के साथ ही 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। भजन कलाकार अपनी मधुर वाणी से बाबा श्री श्याम को रिझाएंगे। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए अलग-अलग समिति का गठन किया गया है। जिसमें प्रसादी वितरण की जिम्मेदारी समिति के सचिव हनुमान सहाय लुगरिया एकिशोर लाल, सुरेंद्र, भंवर लाल, अरुण शर्मा, अशोक प्रजापत को सौपी गई है।

जल व्यवस्था की जिम्मेदारी कन्हेयालाल शर्मा, अग्रसेन वर्मा, कन्हैया लाल लुगरिया सौपी गई है। इसके साथ ही पार्किंग् व आगंतुक के स्वागत की जिम्मेदारी संजय कुमार मीणा, विष्णु शर्मा, सुनील कुमावत, गणेश नारायण को सौपी गई है। इसी के साथ भजन संध्या में आने वाले छोटे बच्चे गार्डन से बाहर नहीं जाए एइसकी देखरेख की जिम्मेदारी अरविंद टेलर, सुनील प्रजापत, रामू चारण, रामफूल बैरवा, राशिद को सौपी गई है।

वैदिक मंत्रोच्चार से दी यज्ञ में आहुतियां

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ के श्री तालवाले बालाजी सेवा समिति के तत्वाधान में सिद्धपीठ श्री संकटमोचन वीर हनुमान तालवाले बालाजी मंदिर के प्रांगण में श्री हनुमान जयंती महोत्सव के समापन पर आज इच्छापूर्ण यज्ञ का आयोजन देवालय पुजारी गोपीकृष्ण राकेश इंदौरिया के सानिध्य में किया गया। यज्ञ के मुख्य यजमान श्रवण काछवाल, रामावतार चांडक, सुशील इंदोरिया, अंजनी सेवदा, विकाश जोशी व पवन चोटिया ने सपत्नीक यज्ञ में आहुतियां दी। यज्ञ के आचार्य पंडित नवीन हारित व अजय इंदौरिया ने वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना करायी। इस अवसर पर तालवाले बालाजी सेवा समिति के मुरारीलाल पारीक, नितिन इंदोरिया, नंदकिशोर भार्गव, कन्हैया लाल जागिड़, प्रभुदयाल चौधरी, बशीधर प्रजापत, भिवराज प्रजापत सहित नगर के सैकड़ों धर्म श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190